» वर्षः-3 » अंकः-297 » पृष्ठः-8 मूल्य :-2 रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

भारत की आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक एक सत बुलेटिन

हर घर तिरंगा अभियान
आइए साथ मिलकर हर गांव, हर गली व हर शहर में ध्वजारोहण करें

जबलपुर, शनिवार 13 अगस्त 2022

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

Email:-eksatpraysj@gmail.com

सार- समाचार

आरजेडी से कांग्रेस तक हलचल तेज दिल्ली का रुख कर रहे तेजस्वी यादव समेत कई नेता

नई दिल्ली । बिहार में सत्ता के फेरबदल के बाद अब कैबिनेट विस्तार को लेकर हलचल तेज हो गई है। राज्य के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से लेकर कांग्रेस के नेताओं ने राजधानी दिल्ली का रुख करना शुरू कर दिया है। इधर, विधानसभा में स्पीकर विजय कुमार सिन्हा के खिलाफ भी सत्तारूढ़ महागठबंधन ने अविश्वास प्रस्ताव के लिए नोटिस दाखिल कर दिया है। 24 अगस्त से विधानसभा का विशेष सत्र शुरू होने जा रहा है। खबर है कि राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी अपने पिता लालू प्रसाद यादव से सलाह लेने दिल्ली निकल चुके हैं। वहीं, कांग्रेस नेता भी मंत्री परिषद में जगह हासिल करने की कोशिशों में लगे हुए हैं।

अमृत महोत्सव सप्ताह के कार्यक्रमों में भाग लेने कल अमेठी जाएंगी स्मृति ईरानी

अमेठी । उत्तर प्रदेश के अमेठी में आजादी की 75वीं वर्षगांठ में आयोजित अमृत महोत्सव सप्ताह समारोह के रूप में मनाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री व अमेठी सांसद स्मृति ईरानी आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर अपने संसदीय क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी 13 अगस्त को अमेठी जाने वाली हैं। एक दिवसीय दौरे पर अमेठी जा रही केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अपने गोद लिए गांव सुजानपुर में अमृत सरोवर का लोकार्पण करने के बाद जिला मुख्यालय स्थित एक विद्यालय में जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगी।जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला अधिकारी राकेश कुमार मिश्र की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कार्यक्रम का रोस्टर जारी किया गया।

चुनावों में रेवड़ी कल्चर पर लगेगी लगाम केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिया 11 सदस्यीय समिति का प्रस्ताव

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एक रैली के दौरान रेवड़ी राजनीति की निंदा की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर सवाल खड़े किए हैं। राजनीतिक दलों द्वारा अपनाए जा रहे इस परिपाटी को आर्थिक आपद करार देने के बाद केंद्र ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को इस मुद्दे पर गौर करने के लिए 11 सदस्यीय समिति गठित करने का सुझाव दिया है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया, रेवड़ी कल्चर को काफी बढ़ावा दिया गया है। अब चुनाव सिर्फ इसी आधार पर लड़े जाते हैं। अगर इसे लोगों के कल्याण का रास्ता माना जाता है, तो यह एक आर्थिक आपदा का कारण बन जाएगा।

डाक विभाग ने बांटे 1 करोड़ से ज्यादा राष्ट्रीय ध्वज

नई दिल्ली। डाक विभाग ने देश भर में फैले अपने 1.5 लाख डाकघरों के जरिए 10 दिनों में एक करोड़ से ज्यादा राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री की है। डाक विभाग 25 रुपये में एक राष्ट्रीय ध्वज बेच रहा है। विभाग ने ऑनलाइन बिक्री के लिए पूरे देश में किसी भी पते पर राष्ट्रीय ध्वज को निःशुल्क पहुंचाने की सुविधा प्रदान की है। अब तक नागरिकों ने ई-पोस्ट ऑफिस सुविधा के माध्यम से 1.75 लाख से अधिक राष्ट्रीय ध्वज की ऑनलाइन खरीदारी की है। बयान में कहा गया है कि डाक विभाग अपने 1.5 लाख डाकघरों के नेटवर्क के साथ देश के हर एक नागरिक के लिए 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम को कार्यान्वित कर रहा है। भारतीय डाक ने 10 दिनों की छोटी अवधि के भीतर डाकघरों के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से एक करोड़ से अधिक राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री की है। बयान में कहा गया है ।

इंदौर में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयोजित तिरंगा यात्रा में गणमान्य साथियों के साथ भाग लिया और हर घर पर तिरंगा फहराने की अपील की। हर घर तिरंगा देशभक्ति की भावना के प्रकटीकरण का अभियान है। किसी भी धर्म, जाति, पंथ के हों, सबके लिए तिरंगा प्राणों से प्यारा है। अपना राष्ट्रध्वज हम सब अपने घरों पर फहरायेंगे। देश के वीर सपूतों ने राष्ट्र के गौरव और सम्मान के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिये। हम सब अपने पसीने की कमाई से हर घर पर तिरंगा लहराकर उनके चरणों में प्रणाम करें।

घर-घर लहराएगा तिरंगा, देशभक्ति के रंग में रंगी संस्कारधानी

जबलपुर में छह लाख से अधिक खरीदे गए झंडे, आज से चलेगा अभियान

जबलपुर। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए शहरवासी उत्साहित हैं। तिरंगा यात्राओं का आयोजन हो रहा है। शनिवार से स्वतंत्रता दिवस तक संस्कारधानी के घरों में तिरंगा लहराएगा। लोगों ने इस महापर्व के लिए तिरंगा झंडा खरीदा है। एक पखवाड़े में छह लाख से ज्यादा तिरंगा झंडा बेचे गए। खास बात यह है कि इनमें 80 प्रतिशत तिरंगा झंडा शहर में बने हैं। शहर में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर पूरी तैयारियां हो चुकी हैं। प्रशासन ने सभी सरकारी विभागों को तिरंगा झंडा मुहैया कराया है। 52 अलग-अलग विभागों के कार्यालयों को इनकी बिक्री रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से की गई। उन्हें 20 बाइ 30 आकार के झंडे 50 रुपए और 10 बाई 15 आकार के झंडे 30 रुपए में उपलब्ध कराए गए। गारमेंट क्लस्टर ने महिला स्वसहायता समूहों के जरिए इन्हें तैयार कराया। अब इनका वितरण विभाग करवा रहे हैं। इसी प्रकार

आम लोगों ने शहर और गांव की दुकानों से छोटे एवं बड़े झंडे खरीदकर अपने घरों पर लहराने की तैयारियां कर रखी है। इसमें बड़ी भागीदारी युवाओं की है। स्कूल और कॉलेज में विद्यार्थियों ने इसको लेकर अलग-अलग तैयारियां कर रखी हैं। उन्होंने आजादी के महापर्व को लेकर रचनात्मक आयोजन भी किए। कहीं रांगोली तो कहीं पेंटिंग की जा रही है।जबलपुर में झंडा बनाने के काम में महिलाओं को अतिरिक्त रोजगार मिला है। 150 से अधिक महिलाओं ने 15 दिनों के भीतर झंडे तैयार किए हैं। ऐसे में उनकी आमदनी भी 4 से 5 लाख रुपए हुई है। इस आय से वे खुश हैं। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्व-सहायता समूहों ने यह काम किया है। इसी प्रकार रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर ने भी इसमें भागीदारी की है।

अगले 5 दिन मध्य भारत में होगी वर्षा, यूपी और बिहार को अभी करना होगा इंतजार

मध्य भारत में मानसून की स्थिति सक्रिय बनी रहेगी।

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आने वाले कुछ दिनों में मध्य भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार अगले पांच दिनों के दौरान मध्य भारत में मानसून की स्थिति सक्रिय बनी रहेगी। इस बीच, अगले दो से तीन दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार और पूर्वोत्तर राज्यों में कम बारिश की गतिविधि जारी रहने की संभावना है। मानसून ट्रफ सक्रिय है और अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में स्थित है। अगले कुछ दिनों में इसके सक्रिय होने और अपनी सामान्य स्थिति के आसपास आने की संभावना है।

आईएमडी ने अपने मौसम बुलेटिन में कहा 12 और 14 तारीख को पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग अलग गरज-चमक के साथ काफी व्यापक वर्षा होने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक 11 और 12

देश के पीएम बनने की रेस में होने के सवाल पर जवाब

बहुत सारे फोन कॉल आ रहे हैं, पर पहले दूंगा इस काम पर ध्यान; पीएम पद पर फिर बोले नीतीश कुमार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से खुद के देश के पीएम बनने की रेस में होने के सवाल पर जवाब दिया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि मैं हाथ जोड़कर कहता हूं कि मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से खुद के देश के पीएम बनने की रेस में होने के सवाल पर जवाब दिया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि मैं हाथ जोड़कर कहता हूं कि मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं है। मेरा काम यह है कि सभी लोगों के लिए काम कर सकूं। 8वीं बार

बिहार के सीएम की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार ने कहा कि मैं इस बात के लिए प्रयास करूंगा कि सभी विपक्षी दल एक साथ आ जाएं। यदि सभी विपक्षी दल इस बात पर राजी होते हैं और साथ में आते हैं तो फिर यह अच्छी बात होगी।

अच्छा माहौल तैयार किया जाए

नीतीश कुमार ने शपथ लेते ही नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना ही उन पर हमला किया था कि 2014 में आने वाले 2024 में रहेंगे क्या आज इसी पर सवाल पूछने पर नीतीश कुमार ने कहा, देखिए, भाई हम हाथ जोड़कर एक बात कह दें कि हमारे मन में भी ऐसी कोई बात नहीं है। हमारे नजदीक भी कोई यह दे तो हम हाथ जोड़ लेते हैं।

ट्विटर का रोचक मामला सामने आया है।

शिवसेना नेता ने PM मोदी पर कसा तंज, केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया लाइक, मचा हंगामा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कथित तौर पर इस ट्वीट को केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने लाइक कर दिया। इसपर एक पत्रकार ने रिजिजू की प्रतिक्रिया का जिक्र किया और कहा कि शायद वह ट्वीट का अंतिम भाग नहीं पढ़ पाए। शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से जुड़ा ट्विटर का रोचक मामला सामने आया है। खबर है कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार पर ट्वीट के जरिए किए गए तंज को केंद्रीय मंत्री ने लाइक कर दिया। अब शिवसेना की तरफ से इस मामले पर तंज कसा जा रहा है।

क्या था मामला

शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट किया, कैसे गिरिराज सिंह जी 10 लाख नौकरियों को लेकर तेजस्वी यादव जी का मजाक उड़ा रहे हैं, यह भी गौरतलब है कि कैसे पत्रकार भी बिहार के डिप्टी सीएम से सवाल पूछ रहे हैं, 2014 में किए गए 2 करोड़ नौकरियों का वादा तो छोड़िए, नौकरियां कहां हैं।

गेहूं के दामों में गिरावट

नई दिल्ली। सरकार द्वारा गेहूं और गेहूं से बने उत्पाद के निर्यात पर रोक लगा दी है। गेहूं के रेट बढ़ने पर आयात की मंजूरी देने की खबर से, मंडियों में गेहूं के दाम में 100 रुपए प्रति क्विंटल तक की गिरावट देखने को मिल रही है। इस साल खुले बाजार में यूक्रेन संकट के पहले जो गेहूं 2100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिक रहा था।यूक्रेन संकट के बाद वह 2500 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया था। केंद्र सरकार द्वारा गेहूं एवं आटा मैदा दाम 2400 रुपये प्रति क्विंटल के नीचे आ गए हैं।

बिहार में अब गर्भाशय घोटाला चर्चाओं में

एजेंसी ■ पटना

बिहार में राष्ट्रीय बीमा योजना के तहत बड़े पैमाने पर हुए गर्भाशय घोटाले की जांच अब सीबीआई करेगी। गुरुवार को हाईकोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए याचिका को स्वीकार कर लिया है। 18 अगस्त को हाईकोर्ट इस मामले में अपना फैसला देगी।

याचिकाकर्ता वेंट्स फोरम के राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर बीएनपी सिंह ने हाईकोर्ट में सीबीआई से जांच कराने की याचिका दायर की थी। 7 साल के बाद इस मामले की सुनवाई हुई। उल्लेखनीय है 2011 में केंद्र की राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत बीपीएल परिवारों के लिए 30000 रुपये के इलाज की सुविधा दी गई थी।

ग्रामीणों में हड़कंप

धार में निर्माणाधीन बांध में दरारें आने से अलर्ट, कई गांवों को कराया जा रहा खाली

एक सत बुलेटिन ■ धार

धार जिले के भरुडपुरा और कोठीदा के बीच कारम नदी पर बनाए जा रहे बांध की दीवार धंसकने से पानी का रिसाव गांवों की और बढ़ता जा रहा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह भारी मात्रा में बांध की मिट्टी एक तरफ बह गई हैं।धार जिले की धरमपुरी तहसील के ग्राम कोठीदा भारुडपुरा में करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे निर्माणाधीन बांध में पहली ही बारिश में रिसाव शुरू हो गया है। बांध की दीवार धंसकने की खबर मिलते ही प्रशासन और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है। जिले के भरुडपुरा और कोठीदा के बीच कारम नदी पर बनाए जा रहे बांध की दीवार धंसकने से

पानी का रिसाव गांवों की और बढ़ता जा रहा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह भारी मात्रा में बांध की मिट्टी एक तरफ बह गई हैं, जिसके चलते बांध की दीवार का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। करीब 11 गांवों में मुनादी करा के गांवों को खाली कराया जा रहा है।फिलहाल एहतियात के तौर पर प्रशासन ने आसपास के गावों में घरों को खाली कराने का काम शुरू कर दिया है।

10 घंटे काफी चुनौतीपूर्ण

साथ ही आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे-3 बंद कर तेजी से मरम्मत का शुरू किया गया है। प्रशासन के लिए अगले 10 घंटे काफी चुनौतीपूर्ण माने जा रहे हैं। भोपाल और इंदौर के विशेषज्ञों की टीम मौके पर मौजूद है और बांध का पानी खाली कर बांध की दीवार में राहत बचाव का कार्य किया जा रहा है। समय रहते यदि राहत कार्य नहीं किया गया तो कई गांवों में बाढ़ आ सकती है।बांध में लीकेज की खबर मिलते हैं ।

मुफ्त सुविधाएं बनी बड़ा खतरा

राज्यों में फ्री सौगातों के चलते पर 60 लाख करोड़ रुपये की देनदारी

नई दिल्ली। फ्री सौगातें और चुनावी वादों का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई एक जनहित याचिका में गुरुवार को कहा गया कि 31 मार्च, 2021 को राज्यों पर 59,89,360 करोड़ रुपये की देनदारी थी। साथ ही गैर-जरूरी मुफ्त सुविधाओं पर बढ़ता खर्च एक नया खतरा बन गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पर क्रमशः 6,62,891 करोड़ रुपये और 5,36,891 करोड़ रुपये की देनदारी हैं और वे इस संबंध में शीर्ष पर हैं। वहीं पंजाब ऋण एवं सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) अनुपात में सबसे ऊपर है।प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय की दायर लिखित दलील में दावा किया गया है कि 2,49,187 करोड़ रुपये की देनदारी के साथ पंजाब में चालू वित्त वर्ष में ऋण एवं जीएसडीपी अनुपात सबसे खराब 53.3 है।

13-08Ek Sat Buletin JBL:13-08Ek Sat Buletin JBL.qxd 13-Aug-22 3:40 AM Page 2

सार- समाचार

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों को दिलायी जायेगी शपथ

बालाघाट। मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष एवं विधायक श्री गौरीशंकर बिसेन के मुख्य आतिथ्य एवं मध्यप्रदेश शासन के आयुष मंत्री श्री रामकिशोर नानो कावरे की अध्यक्षता में 13 अगस्त 2022 को दोपहर 12 बजे कृषि उपज मंडी इतवारी बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका बालाघाट के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी पार्षदों को शपथ दिलायी जायेगी। इस अवसर पर कृषि उपज मंडी इतवारी के नवनिर्मित? काम्प्लेक्स का लोकार्पण भी किया जायेगा। इसी प्रकार 13 अगस्त को अपरान्ह 04 बजे नगर परिषद लांजी में आयोजित कार्यक्रम में वहां के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों को शपथ दिलायी जायेगी। 14 अगस्त को दोपहर 01 बजे गांधी चौक स्थित पुरानी मंडी में नगर परिषद कटंगी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों को शपथ दिलायी जायेगी। यह जानकारी आयोग अध्यक्ष श्री बिसेन द्वारा दी गई है।

12 अगस्त को पुलिस लाईन में होगा पौधारोपण का कार्यक्रम

आयोग अध्यक्ष एवं विधायक श्री बिसेन ने बताया कि 12 अगस्त को हरियाली महोत्सव के अंतर्गत पुलिस लाईन बालाघाट में वृहद स्तर पर पौधारोपण का कार्यक्रम किया जायेगा। इस कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय सिंह,, मुख्य वन संरक्षक श्री नरेन्द्र कुमार सनोडिया, कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया जायेगा। इस कार्यक्रम में नगर पालिका के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदगण भी शामिल रहेंगें।

कंट्रोल रूम से 24 घंटे बांधों की निरंतर निगरानी की जाएः मंत्री सिलावट

इन्दौर । जल संसाधन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बांधों में जल-भराव को लेकर मंत्रालय भोपाल में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रमुख अभियंता मदन सिंह डाबर सहित विभाग के कई बड़े अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने जल संसाधन मंत्री को प्रदेश के विभिन्न बाघों के जलस्तर, बांध की सुरक्षा व वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। जल संसाधन मंत्री ने प्रमुख अभियंता को निर्देशित करते हुए कहा कि शत-प्रतिशत जल भराव वाले बांधों की कंट्रोल रूम लगातार क्रियाशील रखकर निगरानी की जाए।

निगरानी टीम से मिली जानकारी से सभी को अवगत कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी बड़े बांधों, बैराजों और नहरों की लगातार निगरानी रखी जाए और कहीं भी अतिवृष्टि से नहरों के टूटने की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई कर स्थिति से अवगत कराया जाए।

सिलावट ने अधिकारियों को टीम के सदस्यों के संपर्क नंबर और निरीक्षण के दौरान ली गई तसवीर भी शेयर करने के निर्देश दिए। प्रमुख अभियंता ने बताया कि प्रदेश के केरवा, कलियासोत और आवदा जलाशय के साथ-साथ करीब आधा दर्जन जलाशयों में सौ प्रतिशत जल भराव हो चुका है। प्रदेश के करीब दो दर्जन जलाशयों में 75 प्रतिशत से अधिक जल भराव हो चुका है। ऐसे में बांधों की सुरक्षा के दृष्टिगत गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के करीब एक दर्जन बांधों से पानी की निकासी की जा रही है। और इस दौरान बांधों सतत् निगरानी रखी जा रही है। वहीं बुन्देलखण्ड एवं बघेलखण्ड क्षेत्र में कम वर्षा होने के कारण जल भराव की स्थिति ठीक नहीं है। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आज भोपाल के शासकीय आवास पर तिरंगा फहराया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत मालवी गीत लांच किया गया

एक सत बुलेटिन ■ रतलाम

जिला प्रशासन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत मालवी बोली में जन-जन तक हर घर तिरंगा अभियान के संदेश को प्रसारित करने के उद्देश्य से एक अभिनव गीत तैयार किया है। इस गीत की प्रस्तुति गत दिवस विधायक रतलाम शहर चैतन्य काश्यप, विधायक जावरा डॉ. राजेन्द्र पांडे, विधायक रतलाम ग्रामीण दिलीप मकवाना, पूर्व विधायक जितेन्द्र गेहलोत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभूलाल, उपाध्यक्ष केशूराम निनामा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष परमेश मईड़ा एवं जिला पंचायत सदस्यों की उपस्थिति में करते हुए लांचिंग की गई।कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती जमुना भिड़े के निर्देशन में तैयार की गई इस प्रस्तुति में अभियान को लेकर माननीय मुख्यमंत्री एवं जनप्रतिनिधियों के संदेश के साथ ही ग्रामीण जनजीवन की झलक एवं हर घर तिरंगा अभियान के प्रति जन जन में जागरूकता की भावना को प्रसारित किया गया है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत निर्मित इस मालवी गीत के गीतकार आशीष दशोत्तर हैं।

आज नरेला में निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

नरेला विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में 13 और 14 अगस्त को आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा के तैयारियों की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नर्मदा, बेतवा खतरे के निशान के करीब; इंदौर में भारी बारिश का अलर्ट

नर्मदा, शिप्रा, बेतवा, ताप्ती खतरे के निशान के करीब बह रही हैं

एक सत बुलेटिन ■ भोपाल

मध्यप्रदेश में टूटकर बरस रहे बादलों की वजह से एक बार फिर नदी-नाले उफना गए हैं। नर्मदा, शिप्रा, बेतवा, ताप्ती खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। ओंकारेश्वर-हलाली डैम ओवरफ्लो हो गए। तवा और इंदिरा सागर बांध के गेट खोलना पड़ गए। नर्मदापुरम, खंडवा, बैतूल, रायसेन, हरदा और धार के कई इलाकों में नर्मदा खतरे के निशान के करीब है। नदी किनारे रहने वालों को अलर्ट जारी किया गया है। उधर, भोपाल में कलियासोत डैम का दूसरा गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। कलियासोत नदी में अचानक पानी आने से दो युवक बाढ़ में 45 मिनट तक फंसे रहे। दोनों मछली पकड़ रहे थे, तभी नदी का जलस्तर बढ़ गया। दोनों को रेस्क्यू कर लिया गया। बुधवार रात नदी का जलस्तर 227 मीटर पर पहुंच गया था, जो इस सीजन में अब तक का सबसे ज्यादा जलस्तर है। फिलहाल, ताप्ती नदी अब 224.200 मीटर पर बह रही है। अगले 4 दिन तक प्रदेश में अच्छी बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार को इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग में भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की मानें तो यहां पर ढाई से आठ इंच तक पानी गिर सकता है। भोपाल-शहडोल संभाग में 4 इंच से ज्यादा बारिश होने का पूर्वानुमान है।

यहां बारिश होने के आसार

उज्जैन, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग में भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि भोपाल और शहडोल में भी तेज बारिश होगी। बाकी जिलों में भी गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। पर्यटकों को सतर्क किया और वन विभाग को सूचना दी।नगर निगम के कोलार फायर प्रभारी पंकज खरे अमले के साथ पहुंचे। पर्यटकों को सतर्क किया और वन विभाग को सूचना दी। अगले 4 दिन तक प्रदेश में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

उज्जैन में शिप्रा लबालब चल रही है।

वर्तमान में पूर्वी मध्यप्रदेश के पास लो प्रेशर एरिया चक्रवातीय गतिविधियों के साथ एक्टिव है। मानसून ट्रफ लो प्रेशर एरिया से लेकर अहमदाबाद, राजगढ़ और सुस्पष्ट लो प्रेशर एरिया के केंद्र से होते हुए झारसुगड़ा, बालासोर और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी तक फैला है। गुजरात तट से उत्तरी केरल तट के समांतर अपतटीय ट्रफ भी सक्रिय है। 13 अगस्त को बंगाल की खाड़ी में अगले लो प्रेशर एरिया के विकसित होने की संभावना है।

बिरसा के अस्पताल में वाहन चालक के लिए 16 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

बालाघाट। रोगी कल्याण समिति बिरसा द्वारा दिनांक 6 अगस्त 2022 की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार बिरसा के अस्पताल में उपलब्ध एंबुलेंस के संचालन हेतु अस्थाई रूप से वाहन चालक के पद की नियुक्ति रोगी कल्याण समिति द्वारा किया जाना है। वाहन चालक को दिए जाने वाला पारिश्रमिक की राशि 6000 रुपये प्रतिमाह होंगी। जिसका भुगतान रोगी कल्याण समिति की राशि से किया जावेगा। नियुक्ति अस्थाई रहेंगी तथा रोगी कल्याण समिति द्वारा 01 माह के नोटिस उपरांत सेवा समाप्त की जा सकेंगी । वाहन चालक को 24 घंटे आकस्मिक सेवा प्रदान करना होगा । वाहन चालाक के लिए आवेदन बिरसा में निवासरत व्यक्ति ही कर सकते हैं । आवेदन खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय बिरसा में 10 से 16 अगसत 2022 तक प्रात: 10 बजे से शाम 05 बजे तक जमा किए जा सकते हैं । आवेदन के साथ आधार कार्ड, समग्र आईडी, हेवी मोटर व्हीकल एचएमवी लाइसेंस, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

मस्जिद के CCTV से पकड़ाया, वजह- भतीजी की आत्महत्या

उज्जैन में 100 साल पुराने नवग्रह मंदिर में तोड़फोड़ करने वाला योग गुरु निकला। 8 अगस्त की रात मंदिर में शिवलिंग को तोड़ा गया था। उस वक्त कहा गया था कि अराजकतत्व शिवलिंग के टूटे हुए हिस्से को अपने साथ ले गए। घटना पर दूसरे दिन 9 अगस्त को हिंदुवादी संगठनों ने चक्काजाम करते हुए रोड पर हनुमान चालीसा पढ़ा था।

पुलिस ने आरोपी योग गुरु अर्जुन सोलंकी (35) को गिरफ्तार कर लिया है। भतीजी की आत्महत्या करने की वजह से उसने नवग्रह मंदिर में तोड़फोड़ क्यों की इससे पहले जानिए क्या है पूरा मामला. घटना 8 अगस्त की रात की है। बड़नगर इलाके में भाटपचलाना और रुनिजा के बीच 100 साल पुराने नवग्रह मंदिर में शिवलिंग उखाड़ कर आरोपी अपने साथ ले गया था।

दूसरे दिन इसका पता चलते ही क्षेत्र में तनाव फैल गया। वे चक्काजाम कर रोड पर बैठ गए। सात दिन की मोहलत देते हुए ग्रामीणों ने जाम खोला था। शुरुआत में यह आशंका जताई जा रही थी कि ऐसा धार्मिक भावनाओं को भड़काने के लिए किया गया है।

भाटपचलाना TI संजय वर्मा के मुताबिक, मंदिर से 100 मीटर दूर मस्जिद के बाहर लगे CCTV कैमरे चेक करने पर एक संदिग्ध दिखा।

पुलिस ने आरोपी योग गुरु को गिरफ्तार कर लिया है।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि 8 अगस्त को उसकी भतीजी ने आत्महत्या कर ली थी। वह रोजाना नवग्रह शिव मंदिर पर जल चढ़ाने जाती थी। इस कारण वह शिव मंदिर में गया और भगवान पर अपना क्रोध जताने लगा कि मेरी भतीजी रोज पूजा करती थी।

शुभारंभ करते पं. विजय शंकर मेहता

इन्दौर। रवीन्द्र नाट्य गृह में एक शाम रिश्तों के नाम कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ करते पं. विजय शंकर मेहता ।

अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन

सागर। अग्निवीर भर्ती रैली आयोजन के संबंध में कलेक्टर दीपक आर्य की अध्यक्षता में कमिष्नर नगर निगम सेना भर्ती कार्यालय ग्वालियर के कर्नल संतोष कुमार, जिला रोजगार अधिकारी आर.टी.ओ. ईई पी.डब्लू.डी. प्राचार्य इंदिरा गॉधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सहायक यंत्री नगर परिषद मकनोनिया की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर द्वारा सभी अधिकारियों को सौपे गये कार्य समय- सीमा में पूर्ण करने के निर्देष दिये गये।जिला प्रषासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, द्वारा 7 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक शासकीय इंदिरा गॉधी इंजीनियरिंग कॉलेज के परिसर में अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया गया है। इस भर्ती रैली में वे ही आवेदक सम्मिलित हो सकेगे जो भर्ती रैली के लिये पंजीयन करायेगे।

उज्जैन में शिप्रा चढ़ी; ग्वालियर-शिवपुरी हाईवे पर पुल का एप्रोच स्लैब धंसा

एक सत बुलेटिन ■ उज्जैन

मध्यप्रदेश में दो दिन से हो रही बारिश से नदी-नाले उफना गए हैं। कई बांधों के गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। मध्यप्रदेश में अब तक 24 इंच बारिश हो चुकी है। सामान्य बारिश का कोटा 23 इंच का है। यानी 1 इंच ज्यादा पानी गिर गया है। भोपाल में बुधवार को 6 घंटे में ढाई इंच बारिश हुई। भोपाल शहर के लगभग सभी प्रमुख बाजारों और सड़कों पर पानी भर गया। कोलार डैम के 8 में से 2 गेट खोलना पड़े। बाग मुगालिया में तेज बारिश से झरना फूट पड़ा और 20 से ज्यादा दुकानों में 2 फीट तक पानी भर गया। इंदौर शहर में बारिश की वजह से 7 में से 3 तालाब ओवरफ्लो हो गए।

एक तालाब लबालब है। 3 तालाब भी लगभग भर चुके हैं। यशवंत सागर के दो गेट खोलना पड़े। कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। सड़कों पर कारें बहती नजर आईं। ग्वालियर-शिवपुरी फोरलेन हाईवे (एनएच-46) पर मुड़खेड़ा टोल प्लाजा से पहले अमर नदी पर बने पुल का एप्रोच स्लैब धंसक गया।ऐसा बारिश के कारण एप्रोच वाले हिस्से के नीचे की मिट्टी बह जाने से हुआ। उज्जैन और आसपास के इलाकों में हो रही भारी बारिश से शिप्रा नदी भी उफान पर आ गई। बुधवार सुबह ही नदी के किनारे जलमग्न हो गए थे।

खास खबर

कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बुधवार को ब्राह्मण संगठनों को आश्वस्त किया है

जानापाव में परशुरामजी के मंदिर के जीर्णोद्धार, गौशाला और संत निवास के निर्माण में पूरी मदद: कमलनाथ

शहर एवं जिले के अनेक ब्राह्मण संगठनों की ओर से सम्मान, मांग पत्र भी सौंपा गया

एक सत बुलेटिन ■ इन्दौर

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बुधवार को ब्राह्मण संगठनों को आश्वस्त किया है कि जानापाल स्थित ब्रह्म तीर्थ और भगवान परशुराम की जन्म स्थली पर उनके मंदिर का जीर्णोद्धार एवं गौशाला तथा संत निवास के निर्माण की मांग पर कांग्रेस संगठन पूरी गंभीरता से मंथन करेगा और जानापाव को एक तीर्थ स्थल के रूप में और अधिक विस्तार प्रदान करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा समाज के श्रेष्ठि वर्ग का सम्मान किया है। कमलनाथ भगवान परशुराम की जन्म स्थली जानापाव पहुंचे और वहां परशुराम के मंदिर में अभिषेक एवं पूजा-पाठ के बाद परशुराम महासभा के प्रदेशाध्यक्ष पं. गोविंद शर्मा, प्रदेश प्रभारी पं. संजय मिश्रा, महिला प्रकोष्ठ की सुश्री नेहा शर्मा एवं गायत्री तिवारी के साथ पूर्व विधायक अश्विन जोशी, विधायक संजय शुक्ला, सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष कैलाश दत्त पांडे, हंसदास मठ के पं.पवनदास शर्मा एवं अन्य ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान जब उन्हें जानापाव में भगवान परशुराम के मंदिर के जीर्णोद्धार, गौशाला एवं संत निवास आदि के निर्माण हेतु ज्ञापन सौंपा गया तो उन्होंने कहा कि निश्चित ही भगवान परशुराम हम सबके आराध्य हैं और कांग्रेस ने हमेशा समाज के ब्राह्मण एवं अन्य श्रेष्ठि वर्गों का सम्मान ही किया है। इन मांगों पर कांग्रेस संगठन पूरी गंभीरता से विचार करेगा और जानापाव को एक राष्ट्रीय स्तर के तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने में हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।

इस अवसर पर कांग्रेस नेता चंदू अग्रवाल, संजय अग्रवाल, एकांत वानखेड़े तथा ग्रामीण अंचलों के पंच-सरपंच भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे, जिन्होंने कमलनाथ का जोशीला स्वागत किया। परशुराम महासभा की ओर से पं. गोविंद शर्मा एवं पं. संजय मिश्रा ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

सागर। पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, सागर में प्रवेश प्रक्रिया 05 अगस्त से प्रारंभ हो गई है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी संबंधित संस्थाओं में संम्पर्क कर सकते है। ऑनलाईन सत्यापन की सूचना आवेदक को उसके मोबाइल नम्बर एवं ईमेल के माध्यम से प्राप्त होने के पश्चात आवेदक को अपनी प्राथमिकता कालेज एवं ब्राचों का चयन ऑनलाईन करना होगा । तत्पश्चात आवेदक को समय सारणी अनुसार अलॉटमेन्ट लेटर जारी होगा आवेदक समस्त आवश्यक दस्तावेजों एवं निर्धारित शुल्क के साथ संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर प्रवेश स्लिप प्राप्त करेगा ।

13-08Ek Sat Buletin JBL:13-08Ek Sat Buletin JBL.qxd 13-Aug-22 3:40 AM Page 3

महापौर ने महिलाओं से पूछा, सिटी बसों में यात्रा करने में कोई दिक्कत तो नहीं

महापौर ने खुशी जाहिर की

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

रक्षाबंधन के पर्व पर भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) की बसों में करीब 40 हजार महिलाओं ने निश्शुल्क यात्रा की। महिलाओं का हाल-चाल जानने के लिए महामौर मालती राय और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग भी बोर्ड आफिस चौराह से सिटी बस में सवार होकर रोशनपुरा चौराहे तक गए। यात्रा के दौरान मालती राय ने महिलाओं से पूछा कि बसों में सफर करने में कोई दिक्कत तो नहीं है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर और क्या बदलाव करने की जरूरत है। महिलाओं ने बिना किराया के यात्रा को लेकर खुशी जाहिर की। कुछ ने यह भी कहा कि बीच-बीच में इसी तरह से उनके लिए रियायत मिलनी चाहिए। महापौर और मंत्री ने महिलाओं को मिठाई भी खिलाई।बता दें कि तीन अगस्त को मार्ग क्रमांक 204 भौरी से मण्डीदीप पर बसों के संचालन के शुभारंभ अवसर पर महापौर मालती राय ने घोषणा की थी कि रक्षाबंधन के दिन माताओं और बहनों के लिए निश्शुल्क लोक परिवहन सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इसी की तहत उन्हें सेवा दी गई। रक्षाबंधन के चलते बीसीएलएल द्वारा शहर में संचालित बसों में यात्रियों की संख्या अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक रही जिसमें महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में यात्रा की।

महापौर मालती राय ने कहा कि महिलाओं को इस तरह की छोटी छोटी खुशियां समय समय पर आगे भी दी जाएगी, जिससे उनके चेहरों पर मुस्कान बनी रही। बहुत अच्छा लगा कि भारी संख्या में महिलाओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

फिल्म लाल सिंह चड्ढा बायकॉट के बाद आमीर के माफी मांगने पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दी सलाह

भोपाल। बॉलीवुड अभिनेता आमीर खान और करीना कपूर अभिनीत फिल्म लाल सिंह चड्ढा गुरुवार को रिलीज हो गई है। इस फिल्म के सोशल मीडिया पर बायकॉट के बाद अभिनेता आमीर खान ने माफी मांगी। इस पर मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने अभिनेता आमिर खान को सलाह दी है।बॉलीवुड अभिनेता आमीर खान और करीना कपूर अभिनीत फिल्म लाल सिंह चड्ढा गुरुवार को रिलीज हो रही है। इस फिल्म के सोशल मीडिया पर बायकॉट के बाद अभिनेता आमीर खान ने माफी मांगी। इस पर मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने अभिनेता आमिर खान को सलाह दी है।गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मेरा आमिर खान समेत बाकी कालाकार निर्माता और निर्देशक से निवेदन है कि माफी मांगने जैसी स्थिति क्यों बनती है। आप क्यों किसी एक धर्म विशेष को सॉफ्ट टॉरगेट करके इस तरह के फिल्मांकन करते है कि आपको माफी मांगनी पड़े। हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी धर्म विशेष के प्रति उपहास की विषय वस्तु भविष्य में दूर दूर तक ना आए।मिश्रा ने बीजेपी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल के भोपाल दौरे को लेकर पूछे सवाल पर कहा कि वह मध्य प्रदेश के प्रवास पर है।

सीएम हाउस में अनाथ बच्चों ने मनाया रक्षाबंधन

कोरोना से माता-पिता को खोने वाले बच्चों से सीएम ने बंधवाई राखी, प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाईं

एक सत बुलेटिन ■ भोपाल

कोरोना के संकट में माता-पिता को खो चुके अनाथ बच्चों के साथ सीएम शिवराज सिंह चौहान ने राखी का त्योहार मनाया। सीएम हाउस में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भर से करीब 250 बच्चे पहुंचे। सीएम शिवराज सिंह चौहान पत्नी साधना सिंह चौहान को बच्चों ने राखी बांधी। आयुष चतुर्वेदी नाम के दिव्यांग बच्चे की व्हीलचेयर को थामे सीएम शिवराज ने सभी बच्चों को कई नामचीन हस्तियों के जीवन से जुड़ी कहानियां सुनाईं।

दीवाली के कार्यक्रम की फोटो गैलरी दिखाई

सीएम हाउस में लगी फोटो प्रदर्शनी में सीएम ने बच्चों को दीवाली के समय हुए कार्यक्रम की फोटो दिखाईं। पिछली दीपावली पर कोविड के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के साथ दीपावली मनाई थी। सीएम हाउस में पिछले आयोजन के फोटो देखकर बच्चे

रोमांचित हो उठे।कोरोना में माता-पिता को खोने वाली प्रियंका वर्मा ने कहा- अब चिंता मत करना मेरे बच्चो तुम्हारा हौसला भी आसमान तक जाएगा। याद रखना तुम्हारे सपनों को पंख लगाने तुम्हारा मामा शिवराज जरूर आएगा। एक दिन आया था मेरी जिन्दगी में, जब मेरे माता-पिता मुझे अकेला छोडकर भगवान के घर चले गए थे। फिर लगा कि अब क्या होगा कैसे होगा। लेकिन मुझे कभी नहीं लगा कि मैं किसी पर बोझ हूं। क्योंकि मेरे मामा शिवराज मेरे साथ हैं। ये सुनकर सीएम खडे हुए और प्रियंका के सिर पर हाथ रखकर बोले- चिंता मत करो मैं हूं न। वहीं बाल निकेतन से आई रिहायना ने कहा जैसे हम रक्षा बंधन पर अपने मामा के घर जाते थे वैसे ही आज अपने शिवराज मामा के घर आए हैं।

इन हस्तियों के बारे में बताया

मिल्खा सिंह- इनको द फ्लाइंग सिख के नाम से जाना जाता है। इन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स 15 साल के थे उस समय पिता की हत्या हो गई थी। उनका बचनप संघर्षों से भरा था। वे चाहते तो टूट जाते लेकिन उन्होंने हार नहीं माने। वे सेना में गए और खेलों में अपना नाम रोशन किया। उन्होंने एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मैडल जीता थास्वामी शिवानंद- छोटी सी उम्र में अपने माता-पिता को खो दिया था। गरीबी के कारण उन्हें उबले चावलों का पानी(मांड) मिलता था। उनके गुरू अपने साथ ले गए उन्हें योग और आध्यात्मिक शिक्षा दी। 125 साल के स्वामी शिवानंद को पद्मश्री सम्मान मिला।रजनीकांत- बहुत गरीब परिवार में पैदा हुए थे। पांच साल की उम्र में उनकी मां दुनियां से चली गई।

भोजनशाला का शुभारंभ किया

मंत्री विश्वास सारंग मा. चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री मालती राय के साथ लालघाटी में श्री नंदीश्वर द्वीप जिनालय, जैन नगर में मंगल कलश स्थापना एवं गुरू पूर्णिमा महोत्सव के अवसरपर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित किया एवं मुनिराज विहसंतसागर के सानिध्य में भोजनशाला का शुभारंभ किया।

2023 की तैयारी में जुटी कांग्रेसः

कमलनाथ ने बदले जिलों के प्रभारी, सिंधिया के करीबी बालेन्दु को मुरैना की जिम्मेदारी

भोपाल। मप्र में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव पूरे होते ही कांग्रेस अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। क्ष्ष्ट चीफ कमलनाथ ने सभी जिलों के संगठन प्रभारी बदल दिए हैं। जिलों के नए इंचार्ज को पीसीसी की तरफ से ये निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने प्रभार के जिलों में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग करके संगठन में नए एक्टिव वर्कर्स को जोडें। पीसीसी चीफ ने माधवराव सिंधिया के करीबी रहे बालेन्दु शुक्ल को केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के

गृह जिले मुरैना का प्रभारी बनाया है।

भोपाल में वार्ड आरक्षण का कार्यक्रम जारी, 17 को होगा आरक्षण

22 अगस्त को होगा इसका परीक्षण

एक सत बुलेटिन ■ भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने वार्ड आरक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। 17 अगस्त को कलेक्टर आरक्षण प्रक्रिया पूरी करके प्रतिवेदन नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय को भेजेंगे। 22 अगस्त को इसका परीक्षण होगा और 26 अगस्त को प्रकाशन किया जाएगा। उधर प्रदेश के 347 नगरीय निकायों का चुनाव कराने के बाद अब राज्य निर्वाचन आयोग 46 नगरीय निकायों के चुनाव कराएगा। इसके लिए सरकार से वार्ड और अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पद का आरक्षण करके जानकारी देने के लिए कहा गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गढ़ाकोटा, खुरई और मलाजखंड नगर पालिका की सीमा में वृद्धि के कारण परिसीमन नहीं हो पाया था। इसके कारण इन तीनों निकायों के चुनाव पहले और दूसरे चरण के आम चुनाव के साथ नहीं कराए जा सके। यहां अब वार्ड आरक्षण हो चुका है। वहीं, कर्रापुर, पुनासा, बरगवां (सिंगरौली), सरई, देवरी (रायसेन) और बरगवां (अमलाई) नवगठित नगर परिषद बनीं हैं। इनके चुनाव अब कराए जाएंगे। शेष निकायों का कार्यकाल 12 सितंबर तक पूरा हो रहा है। इन सभी में पहले वार्ड आरक्षण होगा और इसके बाद राज्य स्तर पर अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पद के आरक्षण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश के अनुरूप अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए स्थान आरक्षित किए जाएंगे। पिछड़ा वर्ग के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा में रहते हुए अधिकतम 30 प्रतिशत तक पद आरक्षित किए जा सकते हैं। सीधी जिला पंचायत के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव 13 अगस्त को कराया जाएगा।

डाक्टर की सलाह के बाद ही करें वर्कआउट

अत्यधिक व्यायाम आपकी सेहत पर पड सकता है भारी

एक सत बुलेटिन ■ भोपाल

हेल्थ एक्सपर्टस की आम लोगों के लिए सलाह है कि डाक्टर के परामर्श के बाद ही वर्कआउट करें। जरुरत से ज्यादा व्यायाम आपकी सेहत पर भारी पड़ सकते हैं। डाक्टरों का कहना है कि ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जब वर्कआउट के बाद लोगों की तबीयत खराब हो गई और उनकी मौत हो गई। दरअसल खुद को सेहतमंद रखने के लिए कई बार लोग अत्याधिक व्यायाम कर लेते हैं। यह शरीर को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचाता है। डाक्टरों का कहना है कि बगैर डाक्टरी सलाह के भारी व्यायाम शरीर के लिए नुकसानदायक होते हैं। मालूम हो कि हाल ही में कामेडियन राजू श्रीवास्तव की वर्कआउट के तुरंत बाद तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। वे फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं और डाक्टर उनकी जान बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं। हृदयरोग विशेषज्ञों के मुताबिक जिन लोगों को मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसे कोई रोग हैं उन्हें डाक्टर से जांच करवाने के बाद ही व्यायाम करता चाहिए। प्लेग जमने की प्रक्रिया इतना धीमी होती है कि सामान्यतः व्यक्ति को इसका अहसास ही नहीं होता। व्यक्ति सालों साल व्यायाम करता रहे ।

गुजरात की शाडू मिट्टी से बने गणेश जी

इको फ्रेंडली मूर्ति की मांग सबसे ज्यादा, लोग दे रहे आर्डर

एक सत बुलेटिन ■ भोपाल

राजधानी के लोगों में पर्यावरण की चिंता साफ दिखाई दे रही है। यही वजह है कि अब अधिकांश लोग पीओपी की जगह मिट्टी से बने इको फ्रेंडली गणेश जी खरीदने व उनका आर्डर देने में रुचि दिखा रहे हैं। शहर के मूर्तिकार भी बंगाल से मिट्टी मंगाकर मूर्ति का निर्माण कर रहे हैं। बता दें कि मूर्ति बनाने के लिए उपयोग में आने वाली टेराकोटा मिट्टी गंगासागर के तट से लाई जाती है, जो बेहद चिकनी व लचीली होती है। मूर्तिकार अशोक प्रजापति का कहना है कि

मध्यप्रदेश में मिलने वाली मिट्टी इस योग्य नहीं होती कि उससे मूर्ति बनायी जा सके। मूर्ति बनाने के लिए इस बार मूर्तिकार मुख्य रूप से बालू मिट्टी, देशी मिट्टी, मुल्तानी मिटटी व टेराकोटा का उपयोग कर रहे हैं। यह पर्यावरण प्रदूषण को बचाने में सहायक है।

राष्ट्रीय ध्वज के प्रति चौतरफा जन-जागरण जारी

हर घर तिरंगा में विभिन्न गतिविधियों के साथ प्रदेश हुआ तिरंगामय

एक सत बुलेटिन ■ भोपाल

आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान प्रदेश में पूरे जोश के साथ संचालित हो रहा है। राजधानी भोपाल सहित सभी नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों के चलते पूरा प्रदेश तिरंगामय दिख रहा है। इन गतिविधियों में अनेक नवाचार भी हुए हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियाँ हासिल की है। इसमें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा तिरंगे के इतिहास पर स्कूली छात्र-छात्राओं की ली गई क्लास, भोपाल की बड़ी झील में क्रूज पर फहराया गया तिरंगा, सभी नगरों से लेकर पंचायत स्तर पर तिरंगा यात्रा, रैली, पौध-रोपण, रक्तदान, मेडिटेशन के साथ देशभक्ति को प्रर्दशित करती मानव श्रंखला एवं छात्र-छात्राओं द्वारा निर्मित राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की आकृति शामिल हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रदेशवासियों से अभियान को सफल बनाने में जन-भागीदारी की अपील काफी कारगर

साबित हुई है। इसके परिणामस्वरूप अभियान में मंत्रि-परिषद के सदस्य, सांसद, विधायक और पंचायत एवं नगरीय निकायों के नव-निर्वाचित जन-प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाओं, व्यापारियों, धर्मगुरूओं सहित शासकीय विभागों और स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा पिछले एक सप्ताह से सक्रिय भागीदारी निभाई जा रही है। हर घर तिरंग के लिये प्रतिदिन हो रही गतिविधियों ने पूरे प्रदेश को तिरंगामय कर दिया है।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जन-प्रतिनिधियों, समाज के हर वर्ग के नागरिकों, छात्र-छात्राओं, समाज-सेवी संगठनों से कहा है कि देश ने संघर्ष, त्याग, तपस्या और बलिदान से आजादी पाई है। आजादी के संघर्ष में अपना सर्वस्व बलिदान कर देने वाले शहीद,स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का स्मरण कर उनसे प्रेरणा लेने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगाअभियान ने आनंद और उत्साह से आजादी का पर्व मनाने का अवसर प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से 13 से 15 अगस्त की अवधि में अपने घर में तिरंगा झण्डा लहराने की अपील की है।राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के प्रति प्रदेशवासियों को जागरूक करने की जा रही विभिन्न गतिविधियों से प्रदेश के हर नागरिक के दिल और दिमाग में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश-भक्ति का जज्बा पैदा हुआ है। नगर से लेकर गाँव तक आमजन ने तिरंगे को आन-बान-शान से अपने घर पर लहराने का संकल्प लिया है। प्रदेश के महिला स्व-सहायता समूह द्वारा बड़ी मात्रा में तिरंगे बनाये जा रहे हैं, जिन्हें स्थानीय प्रशासन द्वारा आमजन को सशुल्क उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

आदिवासी की मौत के मामले में डीएफओ को हटाया

लटेरी वन क्षेत्र में वनकर्मियों की फायरिंग का मामला

एक सत बुलेटिन ■ भोपाल

प्रदेश के विदिशा जिले के लटेरी वन क्षेत्र में वनकर्मियों की फायरिंग में एक आदिवासी की मौत के मामले में डीएफओ को हटा दिया गया है। मामले में राज्य शासन ने सख?त रुख अपनाते हुए विदिशा डीएफओ राजबीर सिंह को हटा दिया गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की नाराजगी के बाद डीएफओ को हटाने के आदेश छुट्टी के दिन जारी किए गए। फिलहाल उन्हें वन मुख्यालय में उप वनसंरक्षक पदस्थ किया गया है। इससे पहले घटना में शामिल वनकर्मियों पर हत्या और जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज किया है। घटना मंगलवार की रात लटेरी तहसील

इसके बाद वनकर्मियों द्वारा की गई फायरिंग में एक आदिवासी की मौत और करीब तीन अन्य घायल हो गए थे।

के बीजुखेड़ी ककराज के जंगल में घटी। रात में जंगल से लकड़ी काटकर लौट रहे आदिवासियों को वन विभाग के गश्ती दल ने घेर लिया था। वन अधिकारियों का कहना है कि चारों ओर से घिरा देखकर लकड़ी चोरों ने पथराव शुरू कर दिया था। इसके बाद वनकर्मियों को अपने बचाव में फायरिंग करनी पड़ी। इस घटना में एक आदिवासी चैन सिंह के सीने में गोली लगी, जिससे उसकी मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए, जिनका फिलहाल अस?पताल में उपचार चल रहा है। राज्य सरकार ने मृतक के स्वजन को 25 लाख रुपये और एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा की है। वहीं घायलों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मामले की न्यायिक जांच के निर्देश भी दिए हैं। बता दें कि लटेरी वन क्षेत्र में बीते दिनों वनकर्मियों और आदिवासियों की बीच झडप हो गई थी। इसके बाद वनकर्मियों द्वारा की गई फायरिंग में एक आदिवासी की मौत और करीब तीन अन्य घायल हो गए थे।

13-08Ek Sat Buletin JBL:13-08Ek Sat Buletin JBL.qxd 13-Aug-22 3:40 AM Page 4

सार- समाचार

छत्तीसगढ़ में अब तक 743.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 743.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 11 अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1774.4 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 279.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 380.1 मिमी, बलरामपुर में 318.7 मिमी, जशपुर में 381.9 मिमी, कोरिया में 396.7 मिमी, रायपुर में 573.0 मिमी, बलौदाबाजार में 721.1 मिमी, गरियाबंद में 842.6 मिमी, महासमुंद में 726.6 मिमी, धमतरी में 912.8 मिमी, बिलासपुर में 778.3 मिमी, मुंगेली में 786.6 मिमी, रायगढ़ में 644.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 821.7 मिमी, कोरबा में 525.2 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 627.4 मिमी, दुर्ग में 717.3 मिमी, कबीरधाम में 711.3 मिमी, राजनांदगांव में 799.8 मिमी, बालोद में 898.4 मिमी, बेमेतरा में 502.3 मिमी, बस्तर में 1089.1 मिमी, कोण्डागांव में 855.0 मिमी, कांकेर में 970.5 मिमी, नारायणपुर में 860.6 मिमी, दंतेवाड़ा में 1125.4 मिमी और सुकमा में 782.5 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

सद्भावना दौड़ 14 अगस्त को

महासमुंद। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रविवार 14 अगस्त को सद्भावना दौड़ का आयोजन होगा। खेल अधिकारी श्री मनोज धृतलहरे ने बताया कि दौड़ का आयोजन जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में होगा। उन्होंने कहा कि यह दौड़ जिला मुख्यालय मिनी स्टेडियम से प्रातः 07बजे शुरू होगी। मुख्यालय के बरोंडा चौक, शास्त्री चौक, सतबहनिया चौक, गांधी चौक, कांग्रेस चौक से होते हुए वापस मिनी स्टेडियम में समाप्त होगी।खेल अधिकारी श्री धृतलहरे ने इस सद्भावना स्वतंत्रता दौड़ में जिले के जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक, मीडिया एवं पत्रकार, एन.सी.सी., स्काऊट, एन.एस.एस., रेडक्रॉस, पुलिस, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पीडब्लूडी, नेहरू युवा केन्द्र, महाविद्यालयीन एवं शिक्षा विभाग के छात्र-छात्राएँ, खेल संघ एवं खिलाड़ी इत्यादि से भाग लेने हेतु प्रातः 07:00 बजे मिनी स्टेडियम में उपस्थित होने हेतु आग्रह किया गया है।

रोहरा गांव पहुंची कांग्रेस की यात्रा, शहीदों को याद किया

सिमगा। आजादी के 75वीं वर्षगांठ पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पदयात्रा ग्राम चौरंगा , मनोहरा, मोटियारिडिह, कोलिहा होते हुए रोहरा पहुंची। पदयात्रा प्रभारी सुनील माहेश्वरी ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों की कुर्बानियों को याद किया। ग्राम चौरंगा से पदयात्रा को झंडी दिखाकर जिला पंचायत सदस्य रमेश धरीतलहरे ने तिरंगे का बेच लगाकर आगे बढाया। जिलापंचायत सदस्य अभिनव यदु ने तिरंगे का गमछा भेंट कर ग्राम कोलिहा के लिए रवाना किया। पदयात्रा प्रभारी सुनील माहेश्वरी ने आम जनता को भूपेश बघेल की सरकार की योजनाओं से अवगत कराया।

भूपेश बघेल अपने निवास कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के कार्यक्रम में शामिल हुए...

रायपुर। इकोनामिक फोरम के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल अपने निवास कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक छत्तीसगढ़िया होने के नाते प्रकृति के प्रति सम्मान और श्रद्धा हमारे खून में है। राज्य के 42 प्रतिशत हिस्से में वन क्षेत्र है। और हम साल दर साल 3 से 5 प्रतिशत तक वनावरण बढ़ा रहे हैं। हमने अपने राज्य में वन क्षेत्र के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किया है। उदाहरण के लिए, मेरी प्रमुख योजना नरवा, गरवा, घुरवा, हमने अपने राज्य में वन क्षेत्र के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किया है। उदाहरण के लिए, मेरी प्रमुख योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बारी कार्यक्रम पर विचार करें तो इसके मूल में पारिस्थितिक संरक्षण है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 13 अगस्त को चारामा के दौरे पर रहेंगे

बिरसामुण्डा की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

उत्तर बस्तर (कांकेर) जिले को विकास कार्यों की देंगे सौगात

40 करोड़ 05 लाख रूपये के 126 विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन एवं लोकार्पण

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

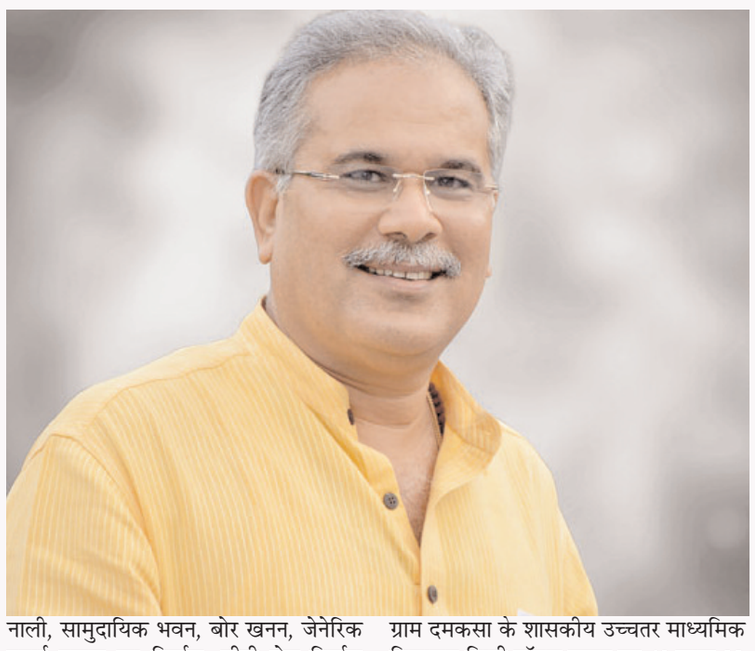

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल 13 अगस्त को उत्तर बस्तर (कांकेर) जिले के अंतर्गत चारामा के प्रवास पर रहेंगे। वे दोपहर 2.35 बजे कांकेर जिले अंतर्गत शासकीय गेंद सिंह महाविद्यालय खेल मैदान जैसाकर्रा चारामा पहुंचेंगे और वहां दरगहन चौक में वीर बिरसामुण्डा के प्रतिमा का अनावरण करेंगे। वे इसके पश्चात मिनी स्टेडियम में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस एवं सामाजिक समरसता सम्मेलन में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री वहां आमसभा में आयोजित कार्यक्रम में 126 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा 18 करोड़ 13 लाख रूपये के 98 कार्यों का भूमिपूजन तथा 21 करोड़ 92 लाख रूपये के 28 कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा चारामा में आयोजित कार्यक्रम में नगर पंचायत चारामा के विभिन्न वार्डों में 02 करोड़ 99 लाख 03 हजार रूपये की लागत के अधोसंरचना मद से सीसी रोड, आरसीसी नाली, सामुदायिक भवन, बोर खनन, जेनेरिक दवाई दुकान का निर्माण, बीटी रोड निर्माण कार्य तथा 30 लाख रूपये की लागत के राज्य प्रवर्तित योजनांतर्गत पौनी पसारी चबूतरा सह शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया जायेगा। इसी प्रकार नगर पंचायत भानुप्रतापपुर के विभिन्न वार्डों में 02 करोड़ 81 लाख 83 हजार रूपये की लागत के अधोसंरचना मद से सीसी रोड, आरसीसी नाली, पेवर ब्लाक, हाई मास्क लाईट स्थापना कार्य, विकासखण्ड दुर्गूकोंदल के ग्राम आमाकड़ा में 01 करोड़ 62 लाख 76 हजार रूपये लागत के 50 सीटर आदिवासी कन्या आश्रम भवन निर्माण तथा ग्राम दमकसा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिन्दी मॉडल स्कूल का 49 लाख 33 हजार रूपये की लागत से जीर्णोद्धार, सायकल स्टैण्ड एवं शौचालय निर्माण लागत से 300 एमटी पीडीएस गोदाम निर्माण कार्य, टांहकापार में 24 लाख रूपये की लागत से 300 एमटी पीडीएस गोदाम निर्माण कार्य, ग्राम खरथा में 24 लाख रूपये की लागत से 300 एमटी पीडीएस गोदाम निर्माण कार्य, ग्राम गितपहर में 15 लाख रूपये की लागत से मिनी स्टेडियम रूपये की लागत से किचन शेड, देवगुड़ी एवं सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे।

अंकुरित बीजों की माता के रूप में पूजा: रायपुर में मनाया गया भोजली महोत्सव

कार्यक्रम में पहुंची राज्यपाल, मांदर-नगाड़ा की थाप पर हुआ स्वागत

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

रायपुर में गुरुवार को भोजली महोत्सव मनाया गया। इंडोर स्टेडियम में खास कार्यक्रम आयोजित था। इसमें बतौर मेहमान छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुइया उइके पहुंचीं। उनका यहां नगाड़ा और मांदर की थाप पर परंपरागत नृत्य करते हुए स्वागत किया गया। आयोजन समिति के सदस्यों ने सम्मान स्वरूप उन्हें छत्तीसगढ़ी आभूषण पहनाया। इस दौरान राज्यपाल ने भोजली माता की पूजा की ।कार्यक्रम के बाद बड़ी तादाद में सिर पर अंकुरित बीजों से निकले पौधों को सिर पर रखकर युवतियों की टीम ने बड़ी यात्रा निकाली। 500 मीटर से भी बड़ी मानव श्रृंखला जैसी बन गई। आदिवासी समुदाय के लोग भोजली माता से हरियाली और अच्छे फसल की कामना करते हैं। भोजली अनादिकाल से चली आ रही परंपरा व संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह मूलत: अन्न माता व प्रकृति की सेवा है। अंकुरित बीज के हरी घास की तरह उग आने के रूप की भोजली माता के रूप में सेवा की जाती है।

प्रकृति से ही हमारा अस्तित्व

राज्यपाल ने इस कार्यक्रम में कहा कि प्रकृति के निकट होने के कारण ही आदिवासी कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के दौरान भी सुरक्षित रह पाए। राज्यपाल उइके ने कहा कि हमें समझना चाहिए कि प्रकृति के साथ ही मनुष्य का सहअस्तित्व है और भोजली जैसे त्यौहार इस सहअस्तित्व को और अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों से भी प्रतिनिधि के रूप में गोंडी धर्म के अनुयायी शामिल हुए हैं। विभिन्न राज्यों से लोगों के शामिल होने से त्यौहार का आनंद तो बढ़ता ही है, साथ-साथ भौगोलिक दूरियों के बावजूद आत्मीय सम्बन्ध बनते हैं और सांस्कृतिक रूप से भी समृद्धि आती है।राज्यपाल उइके ने कहा कि आदिवासी समुदाय के लिए गर्व की बात है कि एक आदिवासी महिला देश के सर्वोच्च पद पर है, जो समाज को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और वे अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगे। इस दौरान उन्होंने सभी को आगामी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामकनाएं दी और देश की आजादी में योगदान देने वाले जनजातीय समाज के सेनानियों वीर गुंडाधुर, शहीद वीर नारायण सिंह, बिरसा मुण्डा, रानी दुर्गावती सहित अन्य जननायकों को नमन किया।

महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ कांग्रेस ने निकाली तिरंगा यात्रा

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर झंडा अभियान में मनरेगा मजदूर सहित आम नागरिक फहरा रहे तिरंगा

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

आजादी की 150वीं वर्षगांठ पर अमृत महोत्सव के रूप में मनाई जा रही है। इसको मनाने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के मजदूरों के घरों के साथ ही मजदूर जहां पर कार्य कर रहे हैं वहां पर भी तिरंगा झंडा लहरा रहा है। इसके साथ ही आम नागरिक भी तिरंगा फहरा रहे है। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में हर घर झंडा अभियान चलाया जा रहा है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी ने बताया कि हर घर झंडा अभियान से महात्मा गांधी नरेगा के जॉब कार्डधारी परिवारों को भी जोड़कर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें मनरेगा के कार्य स्थल के अलावा उनके घरों पर भी यह तिरंगे झंडे फहराए जा रहे हैं जिसमें सभी मनरेगा के जॉब कार्ड धारी परिवार अ आगे आकर सहभागिता निभा रहे हैं।शुक्रवार को जनपद पंचायत बलौदा के चारपारा उद्यान में मनरेगा के मजदूरों ने कार्यक्रम अधिकारी श्री ह्रदय शंकर के नेतृत्व में तिरंगा झंडा फहराया। सभी ने इस दौरान देश की एकता, भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान किसनबाई, लक्ष्मीबाई, सावित्री, संतोषी, सहत्तरीन, सुमरित, कलस्वरी, सुनीता, तुलसी के अलावा पीओ ह्रदय शंकर श्री शिवसाहू आरएचईओ, उद्यान विकास अधिकारी श्री डीएस तोमर आदि मौजूद रहे।चारपारा ग्राम पंचायत के श्री राजकुमार और श्रीमती सहेतरीनबाई ने अपने घर पर तिरंगा झंडा फहराया। उनका कहना था कि पहली बार अपने घर में आन बान और शान से फहराने का मौका मिला।जिला कलेक्टोरेट में आमजनता के लिए स्टाल लगाया गया है। जहाँ से आसानी से तिरंगा झंडा खरीदे जा सकते है।

हमर तिरंगा अभियानः खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने 310 लोगों को दिलाया अतिरिक्त रोजगार

रायपुर। आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के मौके पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य में हमर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। हमर तिरंगा अभियान के तहत हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 3 दिनों में खादी वस्त्रों से 27 हजार तिरंगा झंडा तैयार कर अपनी सहभागिता निभाई गई है। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की प्रबंध संचालक श्रीमती रेखा शुक्ला ने बताया कि ग्रामोद्योग मंत्री गुरू रूद्रकुमार के कुशल मार्गदर्शन में हमर तिरंगा अभियान के लिए बोर्ड द्वारा विभिन्न सहायता समूह के 310 महिला और पुरुषों को अतिरिक्त रोजगार उपलब्ध कराया गया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा स्थानीय स्तर पर स्व-सहायता समूहों से जुड़े महिला और पुरूषों को निरंतर रोजगार देने की पहल कर उनकी आय में वृद्धि करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

तिरंगा हमारी आन-बान-शान है : कवासी लखमा

हर घर तिरंगा अभियान में शामिल हुए मंत्री श्री कवासी लखमा

रायपुर। भारत की आजादी के 75वें वर्ष को पूरे देश में आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान की भी शुरुआत की गई है। इस मौके पर हर जगह अनेक आयोजन हो रहे हैं। इसी कड़ी में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 223वीं वाहिनी की ओर से दोरनापाल से लेकर सुकमा तक तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में राज्य के उद्योग एवं आबकारी मंत्री श्री कवासी लखमा शामिल हुए और तिरंगा लहराया। इस दौरान मंत्री श्री लखमा ने देश की स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ पर सभी को अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की एकता के लिए हमारी ताकत है ।

खास खबर *कोई एग्जाम नहीं होती सफलता ही इसका रिजल्ट है।*

उद्यमिता के लिए कोई एग्जाम नहीं होता, लेकिन सफलता ही रिजल्ट, जिज्ञासु बनें, रिसर्च करते रहें

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

पॉलिटेक्निक कॉलेज में उद्यमिता विकास रोजगार सृजन और विकास का आधार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आईएनसी 36 के मैनेजर स्वीकार पवार ने स्टूडेंट्स को आंत्रप्रेन्योरशिप के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कभी अपनी पढ़ाई पूरी लगन से करें। जिज्ञासु बनें। पढ़ाई के साथ अलग-अलग आइडिया पर काम करते रहें और पढ़ाई पूरी होने के बाद उसपर काम शुरू करें। उद्यमिता के लिए कोई एग्जाम नहीं होती सफलता ही इसका रिजल्ट है। सफल हुए तो उत्तीर्ण हैं नहीं तो फिर से प्रयास करना होता हैं।उन्होंने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने के लिए कोई उम्र नहीं होती है लेकिन आज हिम्मत नहीं करेंगे तो कभी नहीं कर पाएंगे। अभी आप फ्री है घर की जिम्मेदारी आपके ऊपर नहीं है। पढ़ाई के बाद आजीविका का प्रेशर बनेगा। शादी हो जाएगी तो परिवार होगा उनका पालन पोषण करना होगा। यही उत्तम समय है।अकेले कर लूंगा - स्टार्टअप अकेले नहीं हो सकता। इसके लिए कंपनी बनानी होगी। टीम में काम करेंगे तभी सफलता मिलेगी।स्टार्टअप शुरू करते है उनमें करिश्माई ताकत होती हैं- गलत, कोई भी स्टार्टअप शुरू कर सकता है। जो अच्छा सेल्स पर्सन, रिक्रूटर्स और कम्यूनिकेटर है वो स्टार्टअप कर सकता है। नहीं है तो आपको डेवलप करना होगा।बिजनेस तो जींस में होता है - ऐसा नहीं होता। उसमें व्यक्तिगत क्वालिटी होनी चाहिए।आइडिया - स्टार्टअप के लिए आइडिया जरूरी है। आइडिया अच्छा है तो उस स्टार्टअप में सफलता जरूर मिलेगी।टेक्नोलॉजी - आपने कोई टेक्नोलॉजी डेवलप की है तो वो क्या है? कहां काम आएगा? जैसी चीजों से स्टार्टअप बना सकते हैं।पैशन - आप नौकरी कर रहे हैं। किसी में अच्छा एक्सपीरियंस है और आपको लगता है उसपर कुछ नया या उस काम के किसी जरूरत को आप पूरा कर सकते है तो आप अलग काम शुरू कर सकते हैं।जिज्ञासा रखें - आंत्रप्रेन्योर बनने के जिज्ञासा रखें।

अच्छी खबर:जंगल सफारी के जू में अब विदेशी वन्य प्राणी भी नजर आएंगे

शासन से स्वीकृति मिलने के बाद सेंट्रल जू अथॉरिटी को भेजा गया

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

नवा रायपुर स्थित जंगल सफारी के जू में अब आने वाले दिनों में चिंपाजी, स्कूरियल मंकी, और ओरिक्स सहित आधा दर्जन विदेशी वन्य प्राणी नजर आएंगे। सेंट्रल जू अथॉरिटी ने जंगल सफारी के जू के नए मास्टर प्लान को मंजूरी दे दी है। अथॉरिटी की मुहर के बाद जू में 14 नए बाड़े का काम शुरू हो जाएगा। जंगल सफारी के जू का मौजूदा मास्टर प्लान 10 साल के लिए स्वीकृत था। इस वजह से वन विभाग की ओर से नया मास्टर प्लान बनाने के साथ ही उसमें किए जाने वाले बदलाव व विदेशी वन्य प्राणियों को रखने की अनुमति मांगी थी।प्लान में बताया गया था कि विदेशी वन्य प्राणियों के हिसाब से यहां कौन कौन सी परिस्थितियां अनुकूल हैं। उनके लिए बाड़े कैसे और कितने बड़े और किस-किस डिजाइन के बनाए जाएंगे। ये भी बताया गया था कि कौन-कौन सा वन्य प्राणी कहां कहां से लाने का प्लान है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक नरसिंह राव ने इसका पूरा प्लान पहले वन मंत्री मोहम्मद अकबर को बताया। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद सेंट्रल जू अथॉरिटी को भेजा गया।

अभी बन चुके हैं 29 बाड़े

जंगल सफारी में अभी 29 बाड़ों में अलग-अलग वन्य प्राणी रखे गए हैं। 14 नए बाड़े बनने के बाद यहां संख्या बढ़कर 43 हो जाएगी। यहां के बाड़ों की अलग-अलग खासियत है। इक्का-दुक्का बाड़ों को छोड़कर किसी में भी जाली नहीं है। ज्यादातर कांच की दीवार रखी गई, ताकि पर्यटक आसानी से वन्य प्राणियों को देख सकें।

छत्तीसगढ़ के किसी भी जू में अभी एक भी विदेशी वन्य प्राणी नहीं है। वन विभाग के अफसरों का प्रयास था।

13-08Ek Sat Buletin JBL:13-08Ek Sat Buletin JBL.qxd 13-Aug-22 3:40 AM Page 5

खास

18 अगस्त को बेंगलुरु स्थित NCA में एकत्रित होंगे टीम इंडिया के खिलाड़ी

टीम इंडिया का लगेगा 3 दिन का कैंप; 20 अगस्त को टीम होगी रवाना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एशिया कप से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो एशिया कप से पहले रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम को बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी के फिटनेस कैंप में भाग लेना होगा। वहीं टीम श्र एक हफ्ते पहले ही पहुंच जाएगी, ताकि खिलाड़ियों को वहां के कंडीशंस के हिसाब से अपने को ढालने के लिए समय मिल सके।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय खिलाड़ी 18 अगस्त को बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में एकत्रित होंगे। वहां पर फिटनेस टेस्ट देना होगा। प्रोटोकॉल के तहत लंबे ब्रेक के बाद खिलाड़ियों को इस तरह के फिटनेस टेस्ट देना अनिवार्य होता है। भारतीय टीम 20 अगस्त को दुबई के लिए रवाना होगी। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत से पहले भारतीय टीम का 3 दिन कैंप दुबई में लगेगा। वहीं एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल दीपक हुड्डा और आवेश खान जिम्बाब्वे से सीधे श्र पहुंचेंगे। दोनों जिम्बाब्वे दौरे के लिए चुनी गई टीम का भी हिस्सा हैं। इन दोनों खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट से नहीं गुजरना होगा और यह दोनों खिलाड़ी 23 अगस्त को दुबई में भारतीय स्क्वॉड से जुड़ जाएंगे। दीपक चाहर भी स्टैंड बाय खिलाड़ी के तौर पर एशिया कप के लिए जाएंगे।

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

भारतीय टीम को 28 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलना है। इन दोनों के अलावा तीसरी टीम क्वॉलिफायर से होगी। वहीं ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। दोनों ग्रुप से दो-दो टीमें सुपर फोर के लिए क्वालिफाई करेंगे।

भारत 7 बार बना है चैंपियन

भारतीय टीम अब तक इस टूर्नामेंट के 13 संस्करणों में हिस्सा ले चुकी है और सबसे ज्यादा सात बार चैंपियन रही है। इसके अलावा टीम तीन बार फाइनल तक तो पहुंची, लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा।

खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव हुआ है

पूरी तरह फिट घोषित किए गए केएल राहुल, शिखर धवन की जगह होंगे कप्तान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव हुआ है। केएल राहुल फिट घोषित किए गए हैं और अब वही टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे। पहले शिखर धवन को इस दौरे के लिए टीम का कप्तान बनाया गया था, लेकिन अब केएल राहुल की वापसी का ऐलान कर दिया है।

इंजरी से परेशान थे राहुल

30 साल के केएल राहुल को पहले चोट लगी। उन्हें ग्रोइन इंजरी के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ी। फिर वह स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के लिए विदेश चले गए। जब लौटे तो फिटनेस टेस्ट से पहले ही उन्हें कोरोना वायरस ने जकड़ लिया। इसी के चलते वह वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए।

ये होगी नई टीम इंडिया

केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उप-कप्तान), ऋतुराज गायकवाड, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान

किशन, संजू सैमसन, वाशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर। राहुल अपना आखिरी मैच दौरान मई में बेंगलुरु के खिलाफ खेले थे जिसमें उन्होंने 79 रन बनाए थे। वह आखिरी बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ रांची के मैदान पर नजर आए थे।19 नवंबर 2021 को उस मैच में बतौर ओपनर राहुल ने 49 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 65 रन बनाए थे।

टेनिस टूर्नामेंट में खेलते हुए कनाडा के निक किरगियोस

मोंट्रियल में नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेलते हुए कनाडा के निक किरगियोस।

इरफान पठान ट्रोलर्स के निशाने पर आये

मुंबई । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान अभिनेता आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा के कारण ट्रोलर्स के निशाने पर आये हैं। हुआ यूं कि इरफान ने बॉयकॉट लाल सिंह चड्ढा के ट्रेंड के बीच ही न केवल इस फिल्म को देखने की खबर शेयर की बल्कि इस फिल्म और उसके कलाकारों की भी जमकर प्रशंसा की। इसके बाद से ही पठान सोशल मीडिया पर ट्रोल हो गए हैं। पठान ने फिल्म देखने के बाद अपने ट्वीट में लिखा कि लाल सिंह चड्ढा देखकर मजा आ गया। लाल अपनी मासूमियत से आपको, अपना दीवाना बना लेगा। आमिर हमेशा की तरह अपनी भूमिका को परफेक्शन के साथ निभाते हैं।

मोंटी पनेसर बोले:फिल्म में भारतीय सेना और सिखों का अपमान हुआ

इस फिल्म ने उस समय 6 ऑस्कर अवॉर्ड जीते थे

एजेंसी ■ लंदन

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर ने आमिर खान और करीना कपूर की फिल्म लाल सिंह चड्ढा का बायकॉट करने की मांग की है। उनका कहना है कि फिल्म में भारतीय सेना और सिखों का अपमान किया गया है। बता दें कि लाल सिंह चड्ढा आज रिलीज हुई है और ये 1994 की हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म ने उस समय 6 ऑस्कर अवॉर्ड जीते थे। मोंटी ने इस फिल्म को लेकर दो ट्वीट किए हैं। उन्होंने

पहले ट्वीट में लिखा कि फॉरेस्ट गंप अमेरिकी सेना में फिट बैठता है, क्योंकि अमेरिका वियतनाम युद्ध के लिए जरूरतों को पूरा करने के लिए कम आईक्यू के लोगों की भर्ती की गई थी।

वहीं, लाल सिंह चड्ढा में यह दिखाया गया है कि भारतीय सेना में कम आईक्यू वाले आदमी की भर्ती हुई है। ये भारत के सशस्त्र बलों, भारतीय सेना और सिखों का अपमान है। शर्मनाक।वहीं, दूसरे ट्वीट में मोंटी ने आमिर का फोटो शेयर किया और फिर लिखा कि लाल सिंह चड्ढा में आमिर ने कम आईक्यू वाले इंसान का किरदार निभाया है। लाल सिंह चड्ढा में देश में लगी इमरजेंसी, ऑपरेशन ब्लू स्टार, 1983 का वर्ल्ड कप सबकी थोड़ी-थोड़ी कहानी है।

सीएसए लीग में सुपर किंग्स की ओर से खेलेंगे डु प्लेसिस ,मोइन

एजेंसी ■ मुम्बई

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसबी) के कप्तान फाफ डु प्लेसिस अब आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मालिकाना अधिकार वाली जोहान्सबर्ग फ्रैंचाइजी की ओर से खेलेंगे। डु प्लेसिस को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) लीग के लिए फ्रैंचाइजी ने अनुबंधित किया है। डु प्लेसिस ने साल 2011 से 2021 तक करीब एक दशक तक सीएसके की ओर से खेला है। उन्हें साल 2022 की नीलामी में आरसीबी ने खरीदा था। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार जोहान्सबर्ग फ्रैंचाइजी ने इंग्लैंड के

ऑलराउंडर मोइन अली को भी शामिल किया है। मोइन भी आईपीएल में सीएसके की ओर से ही खेलते हैं। सीएसए लीग के अधिकारियों ने फ्रेंचाइजी से पांच खिलाड़ियों की सूची जमा करने को कहा है। इस सूची में एक दक्षिण अफ्रीकी, तीन विदेशी खिलाड़ी, एक ही देश के दो से अधिक खिलाड़ी और एक अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल होना चाहिए।

बुमराह का टी20 विश्वकप में खेलना संदिग्ध

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का इस साल के अंत में होने वाले टी20 विश्वकप में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। बुमराह को चोटिल होने के कारण ही एशिया कप के लिए भी भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। इसी कारण उन्हें रिहैबिलीटेशन के लिए बेंगलुरु स्थित एनसीए भेजा गया है। अब मिली जानकारी के अनुसार बुमराह की चोट गंभीर होने का अंदेशा है। ऐसे में वह शायद ही अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में खेल पायें। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार बुमराह

की चोट पुरानी है जो कभी भी उभर सकती है।

बीसीसीआई की ओर से कहा गया है कि वह रिहैब के लिए वापस आ गए हैं और उन्हें सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा उपलब्ध करायी गयी है। उनकी चोट काफी पुरानी है और यही चिंता का कारण है।' टी20 विश्व कप के लिए हमारे पास केवल दो माह ही बचे हैं।

खास खबर

बुमराह के नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम पर शायद ही प्रभाव पड़े

बुमराह की कमी पूरी करेंगे अर्शदीप और आवेश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अगले माह होने वाले एशिया कप में भारतीय टीम अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरेगी। बुमराह को पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण इस टूर्नामेंट के लिए शामिल नहीं किया है। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए भी टीम प्रबंधन बुमराह को लेकर कोई खतरा मौल नहीं लेना चाहता है। बुमराह के नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम पर शायद ही प्रभाव पड़े क्योंकि उसके पास दो काफी अच्छे तेज गेंदबाज हैं। अर्शदीप सिंह = अर्शदीप ने आईपीएल

में अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा। इसी के बाद से ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिल।

अर्शदीप ने पिछले महीने ही टी20 में डेब्यू किया था और अब तक उन्होंने 6 टी20 में कुल 20 विकेट लिए हैं।

दक्षिण अफ्रीका और बेस्टइंडीज के बाद उन्होंने इंग्लैंड दोरे में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। डेथ ओवरों में अपनी सटीक यार्कर के लिए वह जाने जाते हैं। दबाव के बीच भी बेहतर प्रदर्शन करना उनकी खासियत है। आवेश खान = आवेश आईपीएल में और भारतीय टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करते रहे है। आवेश ने आईपीएल में अब तक 38 मैच खेले है जिनमें कुल 47 विकेट लिए है। इस तेज गेंदबाज ने अपना डेब्यू फरवरी में हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 में किया था। उन्होंने तब से 13 टी20 मैच खेले है जिसमें 11 विकेट लिए है।

अब क्रिकेट पर हावी होने लगी टी20 लीग

एजेंसी ■ ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने जिस प्रकार टी-20 लीग में खेलने के लिए केन्द्रीय अनुबंध को ठुकरा दिया है। उससे यह बात सामने आने लगी है कि अब क्रिकेट भी फुटबॉल की तर्ज पर आगे बढ़ने लगा है जहां लीग मुकाबले अहम होते हैं और विश्वकप जैसे बड़े टूर्नामेंटों के दौरान ही खिलाड़ी देश की ओर से खेलते हैं। खेल में टी-20 क्रिकेट आने से आज सभी देशों में अलग-अलग लीग हो गयी हैं। इसका असर से हुआ है कि पैसे के कारण वेस्टइंडीज , जिम्बाब्वे जैसी टीमों के खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की जगह लीग मुकाबलों में खेलने को वरीयता देने लगे हैं।

बोल्ट टी20 लीग में खेलने के अपने फैसले के पीछे कारण ये बताया है कि वह अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं, साथ ही घरेलू लीग में भी भाग लेना चाहते हैं।

यानी वेस्टइंडीज़ के कई खिलाड़ियों की तरह वह भी अलग-अलग देशों में जाकर टी-20 लीग खेलना चाहते हैं। बोल्ट के केन्द्रीय अनुबंध से अलग होने का मतलब यह नहीं है।

13-08Ek Sat Buletin JBL:13-08Ek Sat Buletin JBL.qxd 13-Aug-22 3:40 AM Page 6

फिर बढ़ता खतरा

पिछले कुछ समय से कोरोना विषाणु के संक्रमण की रफ्तार धीमी होने की वजह से लोगों में यह धारणा बनने लगी थी कि अब खतरा टल गया है। यही वजह रही कि अपनी ओर से संक्रमण से बचाव के लिए अपनाए जाने वाले उपायों को लेकर लोग लापरवाही या उदासीनता बरतने लगे, जबकि तथ्य यह है कि इस विषाणु के फैलने से रोकने के लिए जो उपाय लागू किए गए थे, उन्हीं के बूते संक्रमण के खतरे को कम किया जा सका था।स्वाभाविक ही कुछ वक्त की दिखने वाली राहत के बाद अब एक बार फिर विषाणु के संक्रमण की ताजा रफ्तार ने आम लोगों से लेकर सरकार तक की चिंता बढ़ा दी है। खासतौर पर दिल्ली में कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों से यही पता चलता है कि लोगों की यह धारणा गलत थी कि अब संक्रमण रुक गया है और इसे लेकर बहुत ज्यादा फिक्रमंद होने की जरूरत नहीं है।जबकि शुरू से इस विषाणु और इसके अलग-अलग बहुरूप ने अपने संक्रमण को लेकर कोई स्थिर रवैया नहीं अपनाया। अब राजधानी दिल्ली सहित देश के अन्य इलाकों में भी फिर संक्रमण की रफ्तार बढ़ती दिख रही है और इसे लेकर सरकारों को नए सिरे से सोचने पर विवश होना पड़ा है।दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक गुरुवार को राजधानी में कोरोना के 2146 नए मामले सामने आए और यहां संक्रमण दर बढ़ कर करीब अठारह फीसद हो गई। सिर्फ अगस्त में अब तक इससे प्रभावित चालीस लोगों की मौत हो गई, जबकि जुलाई के आखिरी दस दिनों में कोरोना के चौदह संक्रमितों की जान गई थी। जाहिर है, हाल के दिनों में फिर से इस विषाणु ने आक्रामक रवैया अख्तियार करना शुरू कर दिया है।हालांकि सरकार का कहना है कि नए मामले अभी हल्की प्रकृति के हैं, इसलिए इससे घबराने की जरूरत नहीं है। लेकिन सावधानी के लिए सरकार ने बचाव के उपायों को लेकर नियम-कायदों को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। दिल्ली में मास्क नहीं लगाने पर अब फिर पांच सौ रुपए का जुर्माना देना होगा। यों स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने फिलहाल स्कूल बंद करने जैसे सुझाव नहीं दिए हैं, लेकिन हर स्तर पर सावधानी वक्त की जरूरत है।दरअसल, इस बार कोरोना के ओमीक्रान बहुरूप के नए उप-रूप बीए2.75 की वजह से संक्रमण की रफ्तार बढ़ी है। यानी हर कुछ समय बाद इसके स्वरूप में बदलाव आया है, जिसकी वजह से इससे निपटने को लेकर अतिरिक्त सजगता की जरूरत है।आज यह नहीं कहा जा सकता है कि इस विषाणु के फैलने की कोई एक प्रकृति है और सिर्फ उसी को लेकर सावधान होना चाहिए। पहले यह जरूर कहा गया था कि कोरोना का टीका लोगों को इसके संक्रमण से सुरक्षा देगा, लेकिन इस विषाणु के फैलने की बदलती प्रकृति ने यह बताया है कि अगर टीका लेने वाले लोग भी बचाव के उचित उपायों को लेकर ढीला रुख अख्तियार करते हैं तो उनके फिर से कोरोना विषाणु की चपेट में आने की आशंका बनी रहेगी।अमूमन हर जगह इसकी प्रकृति ने दुनिया भर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों के सामने एक जटिल चुनौती पेश की है। चूंकि अभी भी इसका कोई कारगर और अंतिम इलाज नहीं खोजा जा सका है, इसलिए फिलहाल इससे बचाव के उपायों के प्रति गंभीरता ही इसका सामना करने का एक अहम तरीका है।

विचार

ताइवान का संकट

चीन और ताइवान के बीच जारी तनाव किसी युद्ध से कम नहीं लग रहा। पिछले हफ्ते अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद इस क्षेत्र में दोनों देशों के युद्धाभ्यास की कवायद बता रही है कि इस आग की लपटें फिलहाल शांत नहीं होने वालीं। पेलोसी के ताइवान पहुंचने के पहले अमेरिका और चीन ने एक दूसरे को जिस तरह की चेतावनियां दीं, उससे भी यह तो साफ हो चला था कि चीन-ताइवान विवाद अभी भड़केगा। इसीलिए पेलोसी के ताइवान से छोड़ते ही चीन ने जो आक्रामक रुख दिखाया और सैन्य गतिविधियों को अंजाम दिया, उसे युद्ध भले ही न कहा जाए, पर मतलब साफ था, ताइवान के साथ-साथ अमेरिका को भी धमकाना।चीन के सत्तांईस लड़ाकू विमान ताइवान में घुस गए। इसके अलावा ताइवान की घेरेबंदी के लिए उसने दो जंगी बेड़े और पनडुब्बियां भी महासागर में तैनात कर दीं। जवाब में अब ताइवान भी युद्धाभ्यास कर रहा है। ये घटनाक्रम बता रहे हैं कि ताइवान के आसपास शांति नहीं है। चीन उस पर कब हमला कर बैठे, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। उधर, ताइवान का भी मनोबल जिस तरह से बढ़ा हुआ है, उससे साफ है कि वह चीन का डट कर मुकाबला करेगा। लेकिन जो हो, युद्ध के ऐसे हालात एशियाई शांति के बड़ा खतरा तो बन ही गए हैं।इसमें कोई संदेह नहीं कि ताइवान का विवाद इसलिए भी ज्यादा गरमाया है ।

विचार

भारतीय अर्थव्यवस्था की एक लंबी यात्रा

संतोष कुमार
लेखक

भारतीय अर्थव्यवस्था की पचहत्तर वर्षों की इस लंबी यात्रा ने काफी सुखद परिणाम दिए हैं, तो कुछ समस्याएं भी जस की तस हैं। निर्माण क्षेत्र के अंशदान का तेजी से न बढ़ना एक मुख्य समस्या है। भारत में बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए निर्माण क्षेत्र को ही आगे आना होगा, अन्यथा यह समस्या और विकट होती चली जाएगी। इसके अलावा कृषि क्षेत्र के वे किसान जो लगातार गरीब होते जा रहे हैं, जिसके पीछे मुख्य कारण उनके स्वामित्व के छोटे जमीन के टुकड़े हैं, उनको भी आर्थिक रूप से सहारा यही क्षेत्र दे सकता है।आजादी के पचहत्तर वर्ष पूरे हो रहे हैं। इन वर्षों में भारत ने एक लंबी यात्रा तय की है। इन साढ़े सात दशकों में आर्थिक स्तर पर भारत की बेहतरीन सफलता का राज समय-समय पर उसका सुदृढ़ आर्थिक नियोजन रहा है। शुरुआत पंचवर्षीय योजनाओं से हुई थी, जो कि धीरे-धीरे आर्थिक विकास की मुख्य आधारशिला बनी।प्रत्येक पंचवर्षीय योजना में पिछली योजनाओं के मूल्यांकन तथा भविष्य की रूपरेखा को इस तरह से आर्थिक नीतियों में समय रहते उतारा गया कि भारत हर चुनौती से बड़ी सफलता से लड़ा तथा आज वैश्विक स्तर पर बड़ी तेजी से उभरती हुई शक्ति के रूप में पहचाना जाने लगा है। एक समय वह भी था, जब खाद्य पदार्थों की भयंकर कमी हो गई थी तथा भारत विदेशी सहायता मुख्यतः अमेरिका पर निर्भर था।पर साठ के दशक के अंतिम वर्षों में भारत ने हरित क्रांति लाकर खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त की। आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में विश्व में सर्वश्रेष्ठ तथा बड़ा निर्यातक देश माना जाता है। एक रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक पिछले छह वर्षों में कृषि उत्पादों के निर्यात में भारत ने 16.3 अरब अमेरिकी डालर की वृद्धि दर्ज की है।हरित क्रांति के बाद भारत में अपनी चाल बढ़ाई श्वेत क्रांति की तरफ और दुग्ध उत्पादन में भी आत्मनिर्भरता हासिल की। इस क्रांति के कारण पिछले चालीस वर्षों में भारत में दुग्ध उत्पादन पांच गुना बढ़ा है। वित्तवर्ष 2020-21 में दुग्ध उत्पादन 2.10 अरब टन के बराबर था।1947 में भारतीय अर्थव्यवस्था का जीडीपी 2.7 लाख करोड़ के बराबर था, जो आज 2022 में 236.65 लाख करोड़ हो गया है। इससे यह स्पष्ट है कि इन पचहत्तर वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार तकरीबन नब्बे गुना बढ़ा है। विदेशी मुद्रा भंडारण आज 571 अरब अमेरिकी डालर के बराबर है, जो कि विश्व का पांचवा सबसे बड़ा संग्रह है।इससे स्पष्ट है कि एक आम भारतीय का आर्थिक जीवन लगातार सुधरता जा रहा है। इसमें यह समझना भी जरूरी है कि पिछले पचहत्तर वर्षों में कई दफा आर्थिक नीतियों में ऐसे आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं, जिसने सकारात्मक परिणाम भी दिए तथा कई ऐसी समस्याएं भी पैदा की हैं, जिनका निवारण अभी तक नहीं हुआ है।आजादी के समय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का पचपन फीसद के आसपास अंशदान हुआ करता था, जो कि आज पंद्रह फीसद ही रह गया है। इसका अंशदान लगातार गिरा है। यह गहन सोच का विषय है। आज भी इस मुल्क की करीब अस्सी फीसद ग्रामीण आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन अब कृषि आर्थिक रूप से बिल्कुल भी सक्षम नहीं है। इसी कारण अर्थव्यवस्था के लगातार बढ़ रहे आकार के बावजूद किसान लगातार गरीब होता चला गया।यह भी सच्चाई है कि भारत आज अगर एक गरीब मुल्क है तो इसके पीछे यहां के किसान का गरीब होना एक कारण है। पिछले काफी वर्षों से कृषि क्षेत्र ने वार्षिक वृद्धि तीन से चार फीसद के बीच ही हासिल की है, जो कि चिंताजनक है। किसान का जीवन वित्तीय कर्जों के बोझ से दबा हुआ है।आज भी खेती मानसून पर निर्भर है, क्योंकि कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिकीकरण न के बराबर हुआ है। किसान को उसकी उपज का सही मूल्य भी नहीं मिलता है। इन सब निराशाओं के कारण ही किसानों की आत्महत्याएं प्रति वर्ष बढ़ रही हैं। आज अगर भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है तो निश्चित रूप से इस रूपांतरण का वास्तविक श्रेय सेवा क्षेत्र को जाता है। पिछले तीन दशकों से सेवा क्षेत्र ने भारतीय अर्थव्यवस्था की बागडोर बड़ी कुशलता से संभाल रखी है।पिछले वित्तवर्ष में भी इस क्षेत्र की वार्षिक वृद्धि दर 10.8 फीसद थी। तीन दशक पूर्व हुए आर्थिक सुधारों में जब निजीकरण को बढ़ावा दिया गया, तबसे सेवा क्षेत्र ने बड़ी तेजी से मुल्क को आर्थिक रूप से समृद्ध किया है। आज सेवा क्षेत्र के अंतर्गत सूचना तकनीक, टेलीकाम, परिवहन, बैंकिंग, बीमा आदि बड़ी तेजी से समृद्ध हो रहे हैं।पिछले दो दशक से स्वास्थ्य सुविधाओं ने भी इस क्षेत्र में अपने आप को काफी तेजी से स्थापित किया है। पिछले कई वर्षों से भारत में कुल विदेशी निवेश का अधिकतम भाग सेवा क्षेत्र ही आकर्षित करता है। कोरोना से प्रभावित होने के बावजूद वर्ष 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक विदेशी मुद्रा का निवेश सेवा क्षेत्र में ही हुआ था।वर्तमान में मुल्क की तेईस फीसद आबादी को सेवा क्षेत्र में ही रोजगार प्राप्त होता है। इसके अलावा भारत के कुल निर्यात में भी अधिकतम हिस्सा सेवा क्षेत्र का ही है। 2025 तक भारतीय सूचना तकनीक की विभिन्न कंपनियों का वैश्विक बाजार मूल्य तकरीबन बीस अरब अमेरिकी डालर के बराबर हो जाएगा। अधिक आर्थिक रूप से संपन्न होगा।

> *आज भी खेती मानसून पर निर्भर है, क्योंकि कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिकीकरण न के बराबर हुआ है। किसान को उसकी उपज का सही मूल्य भी नहीं मिलता है। इन सब निराशाओं के कारण ही किसानों की आत्महत्याएं प्रति वर्ष बढ़ रही हैं। आज अगर भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है तो निश्चित रूप से इस रूपांतरण का वास्तविक श्रेय सेवा क्षेत्र को जाता है। पिछले तीन दशकों से सेवा क्षेत्र ने भारतीय अर्थव्यवस्था की बागडोर बड़ी कुशलता से संभाल रखी है।*

विचार

बिहार में भाजपा बोया पेड़ बबूल का तो

संतोष कुमार
लेखक

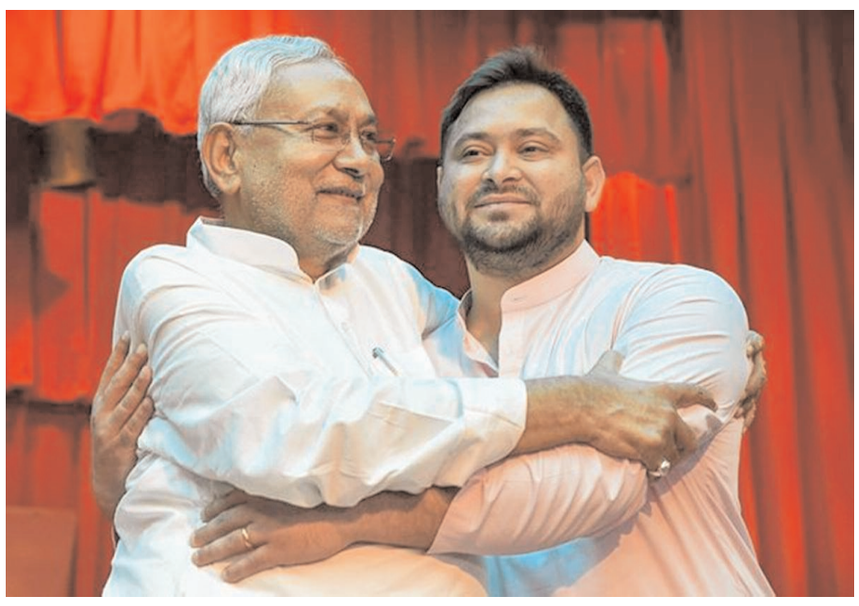

कहावत है 'जैसी करनी, वैसी भरनी'। कल तक आप जो दूसरों के साथ कर रहे थे, वही अब आपके साथ हो गया तो बिलबिलाने लगे। कल तक सत्ता में काबिज होकर जिस नीतीश कुमार के साथ गलबहियां करते नहीं थक रहे थे, उसी नीतीश ने आपको अंदरखाने रंग बदलता देखकर आपसे अपना हाथ छुड़ा लिया तो आप उन्हें अवसरवादी कहते हुए हुए राजनीतिक अछूत घोषित करने पर आमादा हो गए। दरअसल, अपनी विस्तारवादी नीति पर जिस तेज रफ्तार से उठापटक और तोड़फोड़ करती हुई भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ती चली जा रही थी, उसमें बिहार के धुरंधर राजनीतिज्ञ एवं वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ब्रेक लगा दिया। आगे बिहारी राजनीति का ऊंट किस करबट बैठता है, यह कोई नहीं जानता, लेकिन अहंकार पर विराम तो लगना ही चाहिए, घमंड को चूर-चूर होना ही चाहिए, सियासी दादागीरी खत्म होनी ही चाहिए। साम, दाम, दंड, भेद वैसे तो राजनीति का आवश्यक फर्मूला है, जिसका भरपूर प्रयोग केंद्र में सत्तारूढ़ दल द्वारा अब तक किया जाता रहा है और निश्चित रूप से आगे भी किया जाता रहेगा।कई राज्यों में धींगामुश्ती, हॉर्स ट्रेडिंग से हुए सत्ता परिवर्तन को तो पूरी दुनिया ने देखा और आगे भी देखेगी, क्योंकि आपकी फितरत यही है। इसका ताजा उदाहरण महाराष्ट्र में शिवसेना की सरकार को गिराकर शिव सेना व भारतीय जनता पार्टी की सरकार का बनना है। अब शिवसेना अपने ही राज्य में अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रही है। कहते हैं कि बड़ी मछली छोटी मछली को निगल लेती है। भारतीय जनता पार्टी ने देश के कई राज्यों में इस कहावत को चरितार्थ कर दिया है। इसी का परिणाम है कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने अहंकार को जगजाहिर करते हुए सार्वजनिक मंच से कहा कि यदि हमलोग अपनी विचारधारा पर खड़े रहे तो क्षेत्रीय दल को समाप्त कर देंगे। इसी तोड़फोड़ की नीयत से आरसीपी सिंह को बिना जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की अनुमति के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया और चिराग पासवान को जदयू के सदस्यों को विधानसभा चुनाव में पराजित करने के लिए मैदान में छोड़ दिया गया। आरसीपी सिंह मुख्यमंत्री की बिरादरी से ही आते हैं, इसीलिए केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कद को छोटा करके सत्ता पर काबिज होने की व्यूह-रचना इस उम्मीद से की थी कि जातिवाद के उन्माद में देश के अव्वल राज्य बिहार की जनता दिग्भ्रमित होकर रह जाएगी। फिर भारतीय जनता पार्टी को महाराष्ट्र की तरह 'खेल' करके बिहार में भी हाथ साफ करने का अवसर मिल जाएगा।वैसे, बिहार में विधायकों की हॉर्स ट्रेडिंग के मामले के प्रमाण तो अब तक सामने नहीं आए हैं, लेकिन जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सत्ता परिवर्तन कराया गया, वहां के विधायकों को अपने पक्ष में इसी नीति के तहत कराया गया। वह सब विधायकों में अचानक 'दिव्य ज्ञान' प्राप्त होने के कारण नहीं होता है, बल्कि इस सब को हॉर्स ट्रेडिंग या फिर ईडी-सीबीआई का खौफ दिखाकर ही अपने पाले में किया जाता है, जिससे उनका संख्या बल बढ़ जाता है। फिर सत्ता परिवर्तन कानूनी रूप से मजबूरी बन जाता है।नीतीश कुमार को देश में 'पलटू कुमार' भी कहा जाता है, लेकिन राजनीतिक जीवन में उनकी छवि इतनी साफ रही है कि कोई उन पर यह आरोप नहीं लगा सकता कि उन्होंने भ्रष्टाचार करके धन कमाया। परिवारवाद का भी उन पर आरोप नहीं है। आज देश में ऐसे बहुत कम राजनीतिज्ञ हैं जिन्होंने अपना लंबा जीवन सत्ता के शीर्ष पर रहकर गुजरा हो और भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त हों। परिस्थितियों के कारण दल बदलने और ऊंची आशाओं-उम्मीदों के लिए उड़ान भरने में कुछ भी अनैतिक नहीं है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए यह भी कहा जाता है कि उनकी महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री बनने की है। इसमें गलत क्या है? उन्होंने पढ़-लिखकर राजनीति की दुनिया में अपने जीवन को खपाया है। कोई चारित्रिक दोष है नहीं। अनुभव की भी कोई कमी नहीं है। प्रधानमंत्री बनने के लिए और क्या चाहिए? इतने लंबे समय तक बिहार का नेतृत्व करने की बात तो सोने पर सुहागा जैसा ही है।अब यह गहन रिसर्च का मुद्दा हो सकता है कि आखिर अपने इतने लंबे मुख्यमंत्रित्व काल में उन्होंने बिहार का कितना 'विकास' किया? यह गहन समीक्षा का विषय है। इसकी समीक्षा में सामने यह बात तो जरूर आई है कि बिहार का उतना विकास नहीं हुआ, जितना होना चाहिए था। देश आजाद तो एक ही दिन, एक ही समय में हुआ था, लेकिन कई राज्यों का उतना विकास नहीं हुआ, जितनी उम्मीद की जाती थी। ऐसे राज्यों में बिहार का नाम भी शामिल है। पिछले मंगलवार को नीतीश कुमार ने भाजपा गठबंधन तोड़ने का एलान करते हुए राज्यपाल फागू चौहान को अपना त्यागपत्र सौंप दिया और फिर 164 विधायकों का समर्थन पत्र भी हाथ में थमा दिया। राष्ट्रीय जनता दल सहित सात पार्टियों ने महागठबंधन के साथ सरकार बनाने का ऐलान किया। 10 अगस्त को नीतीश कुमार आठवीं बार मुख्यमंत्री, तो तेजस्वी यादव दूसरी बार उपमुख्यमंत्री बन गए। नीतीश कुमार ने त्यागपत्र देने के बाद अपने को भाजपा से अलग होने का कारण बताते हुए कहा कि जो कुछ हो रहा था, वह अच्छा नहीं हो रहा था।इसलिए पार्टी के सभी सदस्यों ने एक स्वर में भाजपा से संबंध तोड़ने के लिए कहा।

विश्लेषण

रायपुर : अन्नदेवी की पूजा का पर्व 'भोजली'

श्री सुनील त्रिपाठी
सहायक संचालक

भोजली यानी अन्न की देवी की आराधना का यह पर्व अन्नदाताओं के अच्छी फसल के कामना के लिए मनाया जाता है, ऐसी मान्यता हैं कि अच्छी भोजली उगने पर उस वर्ष कृषि उत्पादन भी बहुत अच्छा होता है। रक्षाबंधन के दूसरे दिन भाद्रपद कृष्णपक्ष प्रथमा को भोजली विसर्जन का कार्यक्रम किया जाता है। इस दिन शाम को किशोरी बालिका, महिलाओं द्वारा पारम्परिक पोशाक धारण करके विशेष श्रृंगार किया जाता है। कुवारी कन्याओं द्वारा भोजली की सिर में रखकर गाजे बाजे के साथ ग्राम भ्रमण करते हुए नदी या तालाब में विसर्जन के लिए जाते है।

छत्तीसगढ़ में भोजली पर्व अच्छी फसल की कामना एवं मित्रता के प्रतीक पर्व के रूप में पूरे छत्तीसगढ़ विशेष कर ग्रामीण अंचलो में हर्षोल्लास के साथ भाद्र मास के कृष्ण पक्ष प्रथम दिवस को मनाया जाता है।छत्तीसगढ़ में भोजली पर्व अच्छी फसल की कामना एवं मित्रता के प्रतीक पर्व के रूप में पूरे छत्तीसगढ़ विशेष कर ग्रामीण अंचलो में हर्षोल्लास के साथ भाद्र मास के कृष्ण पक्ष प्रथम दिवस को मनाया जाता है।

छत्तीसगढ़ में श्रावण मास के शुक्ल पक्ष नवमी के दिन से भोजली पर्व की तैयारी शुरू हो जाती है। इस दिन महिलाओं द्वारा किसी निश्चित स्थान पर मिट्टी से भरी बांस की छोटी-छोटी टोकरियों (छत्तीसगढ़ी में चुरकी बोलते है) में फसल मुख्य रूप से गेंहू, धान, जौं आदि के बीज बोया जाता है।

बीजारोपण के पश्चात् प्रतिदिन भोजली के बिरवा (अंकुरण) की सेवा की जाती है, भोजली के ऊपर हल्दी-पानी छिड़का जाता है। प्रत्येक रात्रि में सेवागीत गाया जाता है।

सेवा गीतों में आरती गीत, स्वागत गीत, जागरण गीत

एवं सिराने के गीत प्रमुख हैं। इन सभी गीतों में भोजली स्तुति की जाती है।

वस्तुत: भोजली यानी अन्न की देवी की आराधना का यह पर्व अन्नदाताओं के अच्छी फसल के कामना के लिए मनाया जाता है, ऐसी मान्यता हैं कि अच्छी भोजली उगने पर उस वर्ष कृषि उत्पादन भी बहुत अच्छा होता है। रक्षाबंधन के दूसरे दिन भाद्रपद कृष्णपक्ष प्रथमा को भोजली विसर्जन का कार्यक्रम किया जाता है। इस दिन शाम को किशोरी बालिका, महिलाओं द्वारा पारम्परिक पोशाक धारण करके विशेष श्रृंगार किया जाता है। कुवारी कन्याओं द्वारा भोजली की सिर में रखकर गाजे बाजे के साथ ग्राम भ्रमण करते हुए नदी या तालाब में विसर्जन के लिए जाते है। इस बीच भोजली गीत गाया जाता है....

देवी गंगा देवी गंगा लहर तुरंगा, लहर तुरंगा,
तुंहरे लहर माता भीजय आठो गंगा, अहोदेवी गंगा ।।

वे पानी बिना मछरी, पवन बिना धाने, सेवा बिना भोजली के तरसे पराने...,

रिमझिम-रिमझिम सावन के फुहारे, चंदन छिटा देवंव दाई जम्मो अंग तुम्हारे.

गांव के नदी या तालाब पहुचने पर वहाँ भोजली उठाने का कार्य नाते का भाई द्वारा किया जाता है। नदी या तालाब किनारे भोजली माता की अंतिम पूजा और आरती की जाती है तत्पश्चात नदी में विसर्जित कर दिया जाता है। भोजली स्त्रियाँ विसर्जन करने के बाद दुखी होती हैं।

एक चिमटी माखुर कड़क भइगे चूना।
चली दीन्ह भोजली मंदिर भइगे सूना।।

विसर्जन करते समय कुछ बालीयाँ (भोजली) बचा लिये जाते हैं, जिसे बाद में आशीर्वाद स्वरूप घर लाते है व ग्राम के सभी देवालयों चढ़ाया जाता है।

भोजली पर्व को मित्रता का पर्व भी माना जाता है। इस दिन लोगों में भोजली (बालीयां) एकदूसरे से अदला बदली कर भोजली बदने की परम्परा है। इस प्रकार भोजली पर्व अच्छी फसल की कामना व मित्रता कि पर्व के रूप बड़े हर्षोलास के साथ पूरे छत्तीसगढ़ विशेषकर ग्रामीण अंचल में मानाया जाता है।

13-08Ek Sat Buletin JBL:13-08Ek Sat Buletin JBL.qxd 13-Aug-22 3:40 AM Page 7

मन शांत होने पर सफल होता है ध्यान

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश। विख्यात संत आचार्य सुधांशु महाराज ने कहा कि मनुष्य जीवन में निराशा, दु:ख और अवसाद का प्रभावशाली समाधान ध्यान साधना है, मन के शांत होने पर ही ध्यान सफल होता है। परमार्थ निकेतन में विश्व जागृति मिशन के तत्वावधान में आयोजित ध्यान एवं श्री साधना शिविर का उद्घाटन करते हुए मिशन के संस्थापक आचार्य सुधांशु महाराज ने कहा कि जीवन में मनुष्य को अनुशासन लाना चाहिए नियम बनाने चाहिए आचार विचार और स्वभाव में सुधार से मन शांति की ओर बढ़ेगा। जीवन एक उत्सव है इसे उत्सव के रूप में जी कर समय का सदुपयोग करना चाहिए। महात्मा गांधी के आदर्श इस बात के उदाहरण हैं। सुधांशु महाराज ने कहा कि माथे पर शीतलता, चेहरे पर प्रसन्नता, वाणी में मधुरता, अंगों में स्फूर्ति का भाव मनुष्य जीवन का श्रृंगार है। उन्होंने साधकों को प्राणायाम की क्रियाएं सिखाई। ओंकार ध्वनि को ध्यान का प्रथम चरण बताया। योग गुरू डा. अर्चिका दीदी ने कहा कि अपनी चेतना का परम चेतना से जोड़ना ही ध्यान है। अपनी चेतना को परम को सौंप दे परमेश्वर की ओर चलकर ही आनंद प्रेम और सुरक्षा प्राप्त होती है। इस अवसर पर विश्व जागृति मिशन प्रकाशन विभाग के संपादक डा. नार्गेंद्र मदान आदि उपस्थित थे।

कहते हैं, जो काल भैरव की शरण में जाता, वह शिव के परमधाम कैलाश पर प्रस्थान करता है

श्री काल भैरवाष्टमी का व्रत मार्गशीर्ष कृष्ण अष्टमी के दिन मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 3 दिसंबर यानी गुरुवार के दिन है। पुराणों के अनुसार भैरव भगवान शिव का दूसरा रूप हैं। भैरव का वाहन श्वान है। भैरव का अर्थ होता है भयानक और पोषक, इनसे काल भी सहमा सहमा रहता है। इस दिन भगवान शिव के अंश से काल भैरव की उत्पत्ति हुई थी। भैरव संहार के देवता हैं।

ऐसे करें व्रत व्रत का संकल्प लेने से पहले भगवान शिव का पूजन करें। मंदिर में जाकर रात्रि जागरण करें। भैरव के वाहन श्वान को दूध, दही, मिठाई आदि खिलाएं। कीर्तन करें, रात्रि जागरण करते समय विधि विधान से पूजा करें और काल भैरव की कथा सुनें।

व्रत की कथा विश्व का कारण और परम तत्व कौन है । इस प्रश्न को लेकर एक बार ब्रहमा और विष्णु में बहस हो गई।

दोनो अपने आप को ही सर्वश्रेष्ठ कहने लगे। महर्षियों से जब इस बात को लेकर संवाद हुआ तो विष्णु जी ने तो मान गए कि इस धरा पर परम सत्य मौजूद है लेकिन ब्रहमा जी ने इस बात को नहीं मान रहे थे। परम तत्व की अवज्ञा करना बहुत बडा पाप है। यह बात भगवान शिव को ठीक नहीं लगी और उन्होंने काल भैरव को अपने अंश से उत्पन्न किया। तब ब्रहमा जी का गर्व नष्ट हो गया।

भैरवाष्टमी हमें काल का भय दिलाती है। कहते हैं जो काल भैरव की शरण में जाता है। वह अंत में भगवान शिव के परमधाम कैलाश पर प्रस्थान करता है।

काल भैरव सदा धर्मसाधक शांत तितिक्षु तथा सामाजिक मर्यादाओं का पालन करने वाला की काल से रक्षा करते हैं।

किन वास्तु दोष के चलते विवाह में रूकावट होती है

यदि अरेंज मैरिज में अपनी पसंद की लडकी या लडका मिल जाए तो वैवाहिक जिंदगी खुशनुमा तरीके से बीत सकती है। लेकिन कई ऐसे कारण होते हैं जब आपकी पसंद का व्यक्ति नहीं मिल पाता ऐसे में कई कारण होते हैं जिनमें से एक होता है वास्तु दोष। यह वास्तु दोष आपके घर के आस-पास या फिर शयन कक्ष में भी हो सकता है। ऐसे में आप कुछ वास्तु टिप्स आजमाकर इन वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं और योग्य व्यक्ति की चाह में कई कदम आगे बढ सकते हैं। जब कोई मार्ग आपके घर के सामने सीधा प्रवेश करता हो या आकर रुक जाए तो वह कभी-कभी शुभ या अशुभ भी माना जाता है। ऐसी स्थिति से बचना चाहिए। जब कोई विवाह के लिए देखने आए तो इस प्रकार बैठें कि आपका मुख उत्तर दिशा की ओर हो। विवाह योग्य युवक-युवतियों के कमरों की दीवार पर सुंदर चित्र लगाएं। ध्यान रहे, रोते बच्चों और डूबते सूरज का चित्र कभी न लगाएं। यदि प्रेमविवाह हो रहा है और बुरे सपने या विचार आते हों तो सोते समय तकिए के नीचे चाकू या कैंची रखें। घर के मुख्य द्वार पर शीशा नहीं लगा होना चाहिए। इससे वैवाहिक अच्छा जीवन साथी मिलने से पहले ही लौट जाता है। विवाह में अतिथियों को ठहराने का स्थान हमेशा पश्चिम दिशा में ही होना चाहिए। यदि घर के मुख्य द्वार के सामने कोई खंभा, वृक्ष, खुली हुई नाली हो तो यह आपके काम में बाधा डाल सकती है। क्योंकि यह सब कुछ नकारात्मक माना जाता है। इसलिए ऐसी जगहों से बचें।

ऐसा करने से, बजरंग बली सारे कष्ट का हरण कर कामनासिद्धि करते हैं

भारत में शायद ही कोई ऐसा प्रांत होगा जहां बजरंग बली की पूजा न की जाती हो, चूंकि श्री हनुमान रामदूत और भक्त होकर भक्ति, सेवा, श्रद्धा और समर्पण की साक्षात् मूर्ति हैं। यही नहीं श्री हनुमान चरित्र पावनता और ब्रहमचर्य व्रत के दृढता से पालन कर सुखद जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि ब्रहमचर्य से जुडे पवित्रता, संयम और अनुशासन के भावों को अपनाना हनुमान भक्ति के लिए भी जरूरी बताया गया है। हमें यह पता है श्री हनुमान रुद्र अवतार हैं, इसलिए यह भी कहते हैं कि शिव की भांति ही वह भी भक्ति और साधना के सरल उपायों से शीघ्र कृपा कर देते हैं, जो संकटमोचक और कामनासिद्धि करने वाली होती है। हर दिन में नई उमंग, उत्साह, ऊर्जा व आशाएं प्राप्त हों इसके लिए भक्तों को श्री हनुमान जी की पूजा भी पूर्ण समर्पण से करनी चाहिए। रामभक्त होने के साथ ही ये महायोगी और साधक भी हैं। श्री हनुमान के चरित्र के ये गुण संकल्प, एकाग्रता, ध्यान व साधना के सूत्रों से जीवन के लक्ष्यों को पूरा करने की प्रेरणा देते हैं। इस संदेश के साथ कि अगर तन, मन और कर्म को दृढ संकल्प, नियम और अनुशासन से साध लिया जाए तो फिर कोई भी बडा या कठिन लक्ष्य पाना बेहद आसान हो जाता है। सालभर ऐसे ही लक्ष्यों को भेदने के लिये अगर शास्त्रों में बताए श्री हनुमान चरित्र के अलग-अलग 12 स्वरूपों का ध्यान एक खास मंत्र स्तुति से किया जाए तो साल के 12 महीने बहुत ही शुभ व मंगलकारी साबित हो सकते हैं।

धर्मग्रंथों में बताई खास हनुमान मंत्र स्तुति, जिसे मंगलवार, शनिवार या हनुमान उपासना के खास अवसरों के अलावा हर रोज सुबह या रात को सोने से पहले स्मरण करना न चूकें, ये रही –

इस खास मंत्र स्तुति को आप ग्रहण करें। इसमें दर्शित श्री हनुमान के 12 नाम उनके गुण व शक्तियों को भी उजागर करते हैं।

हनुमानञ्जनी सूनुर्वायुपुत्रो महाबलः।

रामेष्टः फाल्गुनसखः पिङ्गाक्षोमितविक्रमः।।
उदधिक्रमणश्चैव सीताशोकविनाशनः।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा।।
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मनः।
स्वापकाले प्रबोधे च यात्राकाले च यः पठेत्।
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत्।

मोहक हो हमारा मन

तन की सुंदरता एक झूठ है और मन की सुंदरता सच। जब तक मन से विकारों का त्याग नहीं होगा, तब तक मन का सुंदर होना असंभव है। तो क्यों न हम मन को ही बना लें मोहक जब लग मनहि विकारा, तब लगि नहिं छूटे संसारा। जब मन निर्मल करि जाना, तब निर्मल माहि समाना।

त कबीर कहते हैं कि जब तक आपके मन में विकार है, तब तक सांसारिक प्रपंच से छुटकारा पाना संभव नहीं है। विकारों से मुक्ति के बाद ही भक्ति में मन रमता है और झूठे विकारों से मन भी हटने लगता है। वे कहते हैं कि मन निर्मल होने पर ही आचरण निर्मल होगा और आचरण निर्मल होने से ही आदर्श मनुष्य का निर्माण हो सकेगा। छुटकारा आसक्ति से कबीर के कहे ये शब्द आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

आज की जीवन पद्धति वैसे ही तनावों से भरी है और इसमें गुस्सा, ईर्ष्या, दूसरों में कमियां निकालने की आदत, जैसे मन के विकारों से मुक्ति ही प्राथमिकता है। हमें कुछ पाने की होड छोडकर उन विकारों का त्याग करना होगा, जो दुख का कारण बनते हैं।

कबीर जहां मन को निर्मल करने के लिए कहते हैं, वहीं सांख्य दर्शन जैसे हमारे प्राचीन ग्रंथ भी इच्छा, आसक्ति से मुक्त होने की बात कहते हैं। बाज से शिक्षा लेने का सुझाव देते हुए इसमें कहा गया है, त्योग और त्याग की शिक्षा बाज से लेनी चाहिए। बाज पक्षी से जब कोई उसके हक का मांस छीन लेता है तो वह मरणांतक दुख का अनुभव करता है, किंतु जब वह अपनी इच्छा से ही अन्य पक्षियों के लिए अपने हिस्से का मांस, जैसा कि उसका स्वभाव होता है, त्याग देता है तो वह सुख का अनुभव करता है।

ज् यानी सारा खेल इच्छा, आसक्ति अथवा अपने मन का है, खुद को बुराई से दूर कर सुख प्राप्त करने का है। तन नहीं, मन हो सुंदर प्रख्यात दार्शनिक ओशो ने कहा था, त्तुम प्लास्टिक सर्जरी करवा सकते हो, तुम सुंदर चेहरा बनवा सकते हो, सुंदर आंखें, सुंदर नाक, अपनी चमडी बदलवा सकते हो, अपना आकार बदलवा सकते हो। लेकिन इससे तुम्हारा स्वभाव नहीं बदलेगा।

भीतर तुम लोभी बने रहोगे, वासना से भरे रहोगे, हिंसा, क्रोध, ईर्ष्या, शक्ति के प्रति तुम्हारा पागलपन भरा रहेगा। इन बातों के लिए प्लास्टिक सर्जन कुछ कर नहीं सकता। ज्इन शब्दों के साथ ओशो तन को नहीं, मन को सुंदर रखने की बात करते हैं। भीतर की बुराइयों से निजात पाने की शिक्षा देते हैं। सद्गुण की महक सद्गुणों की महक से कौन इंकार कर सकता है। अच्छे कामों को हर तरफ सराहा जाता है और बुरे काम नुकसान कर जाते हैं। कभी-कभी तो ऐसी हानि हो जाती है, जिसकी भरपाई नहीं हो पाती। इस संदर्भ में गौतम बुद्ध ने भी कहा है, च्पुष्प की सुगंध वायु के विपरीत कभी नहीं जाती, लेकिन मानव के सद्गुण की महक सब ओर फैल जाती है। ज् स्वामी रामकृष्ण परमहंस भी मायावी दुनियादारी को दिल से निकाल देने का पक्ष लेते हैं।

वे कहते हैं, च्नाव जल में रहे तो ठीक है, लेकिन जल नाव में नहीं रहना चाहिए, इसी प्रकार साधक जग में रहे लेकिन जग साधक के मन में नहीं रहना चाहिए। ज् जब तक हम दुनिया के झूठे प्रपंचों में फंसे रहेंगे, तब तक जिंदगी में सुकून की उम्मीद नहीं कर सकते।

क्या खोया, क्या पाया एक बार महात्मा बुद्ध से किसी ने पूछा कि ध्यान से आपने क्या पाया तो बुद्ध ने जवाब दिया, च्कुछ भी नहीं। प्रश्नकर्ता हैरान रह गया, तभी बुद्ध बोले, च्लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि ध्यान से मैंने क्या-क्या खोया है।

गुस्सा, बेचैनी, असुरक्षा, तनाव, मृत्यु या बुढापे का डर जैसी भावनाओं को मैंने खुद से दूर कर दिया है। ज् महात्मा बुद्ध के ये वचन साफईंगित करते हैं कि कुछ पाने से मन में छिपे विकारों से छुटकारा पाना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

यमराज ने बताए थे नचिकेता को मृत्यु के बाद के रहस्य

हमारे धर्म ग्रंथों में मृत्यु के देव यमराज से जुडे दो ऐसे प्रसंग आते हैं जब यमराज को इंसान के हठ के आगे मजबूर होना पडा था। पहला प्रसंग सावित्री से सम्बंधित है, जहां यमराज को सावित्री के हठ पर मजबूर होकर उसके पति सत्यवान को पुन:। जीवित करना पडा। जबकि दूसरा प्रसंग एक बालक नचिकेता से सम्बंधित है, जहाँ यमराज को एक बालक की जिद के आगे मजबूर होकर उसे मृत्यु से जुडे गूढ रहस्य बताने पडे। आइए जानते हैं यमराज और नचिकेता से जुडे प्रसंग को और उनके बीच हुए संवाद को।

इस प्रसंग का वर्णन हिन्दूधर्मग्रन्थ कठोपनिषद में मिलता है। इसके अनुसार नचिकेता वाजश्रवस (उदालक) ऋषि के पुत्र थे। एक बार उन्होंने विश्वजीत नामक ऐसा यज्ञ किया, जिसमें सब कुछ दान कर दिया जाता है। दान के वक्त नचिकेता यह देखकर बेचैन हुआ कि उनके पिता स्वस्थ गायों के बजाए कमजोर, बीमार गाएं दान कर रहें हैं। नचिकेता धार्मिक प्रवृत्ति का और बुद्धिमान था, वह तुरंत समझ गया कि मोह के कारण ही पिता ऐसा कर रहे हैं। मोह दूर कर धर्म-कर्म करवाने के लिए ही नचिकेता ने पिता से सवाल किया कि आप मुझे किसे देंगे।

उदालक ऋषि ने इस सवाल को टाला, पर नचिकेता नहीं माना। उसने वही सवाल बार-बार पूछा इससे क्रोधित ऋषि ने कह दिया कि तुझे मृत्यु (यमराज) को दूंगा। पिता को यह बोलने का दु:। खभी हुआ, लेकिन सत्य की रक्षा के लिए नचिकेता ने मृत्यु को दान करने का संकल्प पिता से पूरा करवाया। यमराज के यहां पहुंचने पर नचिकेता को पता चला कि यमराज वहां नहीं है। फिर भी उसने हार नही मानी और तीन दिन तक वहीं पर बिना खाए-पिए डटा रहा। यम ने लौटने पर द्वारपाल से नचिकेता बारे में जाना तो उस बालक की पितृभक्ति और कठोर संकल्प से बहुत खुश हुए। यमराज ने नचिकेता को पिता की आज्ञा का पालन व तीन दिन तक कठोर प्रण करने के लिए तीन वर मांगने के लिए कहा। तब नचिकेता ने पहला वर पिता का स्नेह मांगा।

दूसरा अग्नि विद्या जानने बारे में था। तीसरा वर मृत्यु रहस्य और आत्मज्ञान को लेकर था। यम ने आखिरी वर को टालने की भरपूर कोशिश की। साथ ही, उसके बदले नचिकेता को कई सांसारिक सुख-सुविधाओं को देने का लालच दिया। नचिकेता के आत्मज्ञान जानने के इरादे इतने पक्के थे कि वह अपने सवालों पर टिका रहा। नचिकेता ने नाशवान कहकर भोग-विलास की सारी चीजों को नकार दिया और शाश्वत आत्मज्ञान पाने का रास्ता ही चुना। आखिरकार, विवश होकर यमराज को मृत्यु के रहस्य, जन्म-मृत्यु से जुडा आत्मज्ञान देना पडा।

हनुमानजी हमेशा रहते हैं

ऐसे लोगों के साथकलियुग में हनुमानजी का वास है। यह हमारी आस्था और विश्वास है। हममें से किसी ने हनुमानजी को नहीं देखा, वर्तमान समय में जो कहते हैं जिन्होंने साक्षात बजरंगबली के दर्शन किए हैं, उनके पास भी कोई प्रमाण नहीं। हनुमानजी हर समय, हमारे आसपास हैं। हमें देख रहे हैं। सत्य बोलेने वाले, ईमानदार और नेकी पर चलने वाले परोपकारी लोगों की पुकार अवश्य सुनते हैं। लेकिन, कहते हैं कलियुग में सर्वप्रथम हनुमानजी ने भगवान श्रीराम की कथा पर आधारित पवित्र ग्रंथ 'श्रीरामचरितमानस' के रचियता गोस्वामी तुलसीदास को दर्शन दिए। इसका प्रमाण है कि तुलसीदासजी ने स्वयं अपने ग्रंथों में इस बात का उल्लेख किया है। वह लिखते हैं कि चित्रकूट के घाट पे, भई संतन के भीड। तुलसीदास चंदन घिसें, तिलक देत रघुबीर। ये शब्द स्वयं प्रभु हनुमानजी ने तुलसी दास से कहे थे। हम सभी जानते हैं कि हनुमानजी का जन्म त्रेतायुग में हुआ था। वह श्रीराम के अमिट भक्त हैं। उन्होंने त्रेतायुग में वानरराज केसरी और माता अंजना के यहां जन्म लिया था। वाल्मीकि रामायण में हनुमानजी के जन्म के बारे विस्तृत वर्णन मिलता है। महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाभारत में उल्लेख मिलता है कि द्वापर युग में भी हनुमानजी उपस्थित थे। उन्होंने सर्वप्रथम भीम का अहंकार कम करने के लिए उनकी परीक्षा ली, जहां भीम को वह एक बूढे वानर के रूप में मिले, भीम उनकी पूंछ तक न हटा सके।

हनुमानजी ने द्वापर युग में ही कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण और अजरुन के रथ के ऊपर ध्वज में विराजमान रहे। वर्तमान समय में कहा जाता है कि जहां-जहां रामायण कथा का वाचन सच्ची श्रद्धा, आस्था और पूरे विधि-विधान से होता है वहां हनुमाजी जरूर आते हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं से उल्लेख मिलता है कि हनुमानजी कलयुग के अंत तक पृथ्वी पर रहेंगे।

13-08Ek Sat Buletin JBL:13-08Ek Sat Buletin JBL.qxd 13-Aug-22 3:41 AM Page 8

अजाद भारत में हुए सामाजिक सुधारों में स्वर्गीय मिनीमाता का योगदान अहम-मंत्री गुरु रुद्र कुमार

स्वर्गीय मिनीमाता की 50 वी पुण्यतिथि पर समोदा में आयोजित हुआ पुण्य स्मरण कार्यक्रम

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

स्वर्गीय मिनीमाता की 50वी पुण्यतिथि के अवसर पर पुण्य स्मरण का कार्यक्रम दुर्ग जिले के समोदा में आयोजित किया गया। इस मौके पर अपने संबोधन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने कहा कि आजाद भारत में अस्पृश्यता मूलन अभियान में तथा महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में स्वर्गीय मिनीमाता का योगदान अहम रहा। स्वर्गीय मिनीमाता का सामाजिक सुधारों में अहम योगदान रहा, चाहे बाल विवाह का विरोध हो अथवा सामाजिक सुधारों के लिए पहल की जरूरत हो। मिनीमाता हर मोर्चे पर अग्रणी रहीं और सभी वर्गों के विकास के लिए सदैव कार्य करती रहीं। आजाद भारत की नीतियों के निर्माण में उनकी भूमिका अहम रही। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने कहा कि संसद में एक महिला आवाज के रूप में उन्होंने महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया। उनके विषय संसद के समक्ष रखे। स्वर्गीय मिनीमाता छत्तीसगढ़ी अस्मिता के प्रतीक के रूप में रहीं। छत्तीसगढ़ से प्रथम महिला सांसद के रूप में उन्होंने जो मानदंड कायम किए और जिन आदर्शों पर चलीं। उन पर पूरी तरह अमल करने हम प्रतिबद्ध हैं। पूज्य गुरु घासीदास जी के दिखाए रास्ते पर चलते हुए सार्वजनिक जीवन में उन्होंने सबके समक्ष आदर्श रखे।

वृक्षाबंधन कर स्वयंसेवकों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

राज्य ब्यूरो। प्रकृति वंदन कार्यक्रम के तहत देशभर के राष्ट्रीय स्वयं सेवक पर्यावरण संरक्षण के लिए अभियान चला रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के तहत रक्षाबंधन के मौके वृक्षाबंधन मनाया गया। हजारों की संख्या में स्वयं सेवकों ने अपने-अपने घरों के आसपास एक वृक्ष को रक्षा बांधकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी उठाई। पहले वृक्षाबंधन फिर रक्षाबंधन स्लोगन के साथ स्वयं सेवकों ने रायपुर समेत दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा, बिलासपुर,अंबिकापुर, बस्तर व अन्य जिलों में वृक्षाबंधन कर पर्यावरण संरक्षण के लिए संदेश दिया।रक्षाबंधन का पर्व हर साल आता हैं लेकिन इस वर्ष इस पावन पर्व को पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित करने का यह अंदाज लोगों को भी भा रहा है। जिसमें तिरंगा निर्माण के लिए जिले की सिलाई, कढ़ाई में प्रशिक्षित समूह की महिलाएं तिरंगा झंडा गाइडलाइन के अनुसार बना रही है। समूह की महिलाएं जुलाई के अंतिम सप्ताह से झंडा निर्माण कर रही है। जो अगस्त में भी सतत रूप से जारी रहा। झंडा निर्माण के साथ ही उनका विक्रय भी किया जा रहा है। अब तक 35 हजार झंडा समूह की दीदियों ने तैयार कर 32 हजार झंडे जिला से लेकर ग्राम पंचायत तक स्टाल लगाकर विक्रय किये है। जिले में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए 51 स्व सहायता समूह की 170 महिलाओं ने दिन-रात कड़ी मेहनत करते हुए झंडे तैयार किये है। जिससे उनको इस कार्य से रोजगार मिला है। राधे कृष्ण स्व सहायता समूह नवागढ़, आराधना समूह, सागर, दिव्या, शिवशंकर, जय माँ अन्नपूर्णा, शिवशक्ति, जनजागरण, जयलक्ष्मी दुर्गा सहित अन्य समूह झंडे बना रहे है।

सार- समाचार

राज्यपाल को ब्रह्मकुमारी बहनों ने बांधी राखी

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके को आज रक्षाबंधन के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रायपुर की बहनों ने राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने भी ब्रह्मकुमारी बहनों को राखी बांधी और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। साथ ही क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्मकुमारी दीदी कमला ने राज्यपाल सुश्री उइके को ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंट आबू में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए भी आमंत्रित किया)।

प्रथम महिला सांसद मिनीमाता की 50वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम

कोरबा । जांजगीर लोकसभा क्षेत्र की प्रथम महिला सांसद मिनीमाता की 50वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय के प्रांगण में स्थापित प्रतिमा पर पुष्प अर्पित, माल्यार्पण कर मनायी गयी। इस अवसर पर राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने मिनीमाता के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कहा कि छ.ग. राज्य की स्पन्नदृष्टा, कर्मठ समाज सेविका छ.ग. की पहली महिला सांसद मिनीमाता जिन्होंने 5 बार सांसद के रूप में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्होने समाज में तत्समय व्याप्त कई कुरीतियों जैसे छुआछूत, बाल विवाह, दहेज प्रथा आदि को मिटाने के लिए समाज से संसद तक अपनी आवाज बुलंद की। इसके साथ-साथ नारी शिक्षा, मजदुरों के उत्थान, गरीबी, अशिक्षा और पिछड़ेपन को दूर करने के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया था। संसद में अस्पृश्यता बिल को पास करवाने में मिनीमाता जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हम सब ऐसे व्यक्तित्व पर गर्व करते है, मैं उन्हें प्रणाम करता हूं, नमन करता हूँ। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि छ.ग. और कोरबा क्षेत्र के लिए उनके द्वारा किये गये योगदान को याद करें तो कृषि तथा सिंचाई के लिए हसदेव बांगो बांध परियोजना उनकी ही दूरदृष्टा का परिणाम है, भिलाई इस्पात सयंत्र में स्थानीय निवासियों को रोजगार दिलाने और औद्योगिक प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में आज भी उन्हें याद किया जाता है। आज के इस पुण्यतिथी कार्यक्रम में कोरबा सतनामी कल्याण समिति, मिनीमाता शासकीय कन्या महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण और छात्राएं उपस्थित रही। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सभापति श्याम सुंदर सोनी, पूर्व सभापति संतोष राठौर्रेस पार्टी के पदाधिकारीगण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बारिश हुई तो भी तिरंगा यात्रा में पूरे समय रहेंगे मंत्री अकबर

हमर तिरंगा अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री अकबर 13 अगस्त को कवर्धा में निकालेंगे तिरंगा ध्वज यात्रा

एक सत बुलेटिन ■ कवर्धा

आजादी के 75 वीं वर्ष को पूरे देश में आजादी के अमृत महोत्सव के मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के अह्वान पर राज्य में 11 अगस्त से 17 अगस्त तक एक सप्ताह के लिए हमर तिरंगा सप्ताह मनाया जाएगा। इसी परिपेक्ष्य में प्रदेश के वन,परिवहन,आवास एवं विधि विधाई कार्य मंत्री मोहम्मद अकबर के नेतृत्व में 13 अगस्त को कवर्धा नगर में तिरंगा पदयात्रा निकाली जाएगी। इसमें समस्त कबीरधाम जिले के निवासी बढ़ चढ़ कर शामिल होंगे।तिरंगा पदयात्रा के तैयारियां मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देशन में की जा रही है।पदयात्रा के दौरान पूरे कवर्धा नगर को तिरंगामय करने की तैयारी है।बरसात के मौसम को देखते हुए विशेष रूप से तैयारी की जा रही है।विशेषकर मोबाइल फोन को पानी से बचाने कवर रखने कहा जा रहा है। तिरंगा पदयात्रा में शामिल होने वाले तिरंगा प्रेमी मानकर चल रहे हैं कि 13 अगस्त को बरसात हो सकती है।अगर बरसात हुई तो भी उनके हौसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा।मंत्री मोहम्मद अकबर 10 अगस्त को कवर्धा में बैठक में ये घोषणा कर चुके हैं कि बरसात होने पर भी भी वे पूरी तिरंगा पदयात्रा में शामिल रहेंगे।उनकी इस घोषणा से उत्साह का संचार हो गया है । मंत्री पूरे समय तिरंगा पदयात्रा में शामिल रहेंगे तो बरसात से पदयात्रा बेअसर रहेगी।

कृषि विभाग के अधिकारियों को कलेक्टर ने लगाई कड़ी फटकार, बैठक में अनुपस्थित 9 आरएईओ को नोटिस

एक सत बुलेटिन ■ बलौदा

बाजारकलेक्टर रजत बंसल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में कृषि विभाग के कार्यो की समीक्षा एवं गौधन न्याय योजना आधारित प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हुआ। कार्य मे लापरवाही एवं धीमी गति से कार्य करने के चलते कृषि विभाग के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्य मे सुधार लाने की नसीहत दी। इस दौरान बैठक में अनुपस्थित रहे 9 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करतें हुए 7 दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करनें के निर्देश दिए है।कलेक्टर रजत बंसल ने बैठक में फसल परिवर्तन में जोर देते हुए मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना में अधिक जोर देने के निर्देश दिए है। उन्होंने साथ ही फलदार पौधे,इमारती लकड़ी का रोपण एक सप्ताह में करने कहा है। उन्होंने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को गौधन न्याय योजना के क्रियान्वयन में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने आगें कहा कि गौधन न्याय योजना अंतर्गत गौठानों शत प्रतिशत में गोबर खरीदी,गुणवत्तापूर्ण वर्मी कंपोस्ट उत्पादन,गौठान प्रबंधन समिति के कार्य एंव पंचायत सचिवों से बेहतर समन्वय स्थापित कर उत्कृष्ट परिणाम देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने आगें कहा कि आने वाले समय मे सभी गौठानो में गो मूत्र की खरीदी कि जाएगी। उस हिसाब से आप अपनी तैयारी करना प्रारंभ करें। आप किसानों को अधिक से अधिक गो मूत्र से बनें जीवामृत,बीजामृत,ब्रम्हास्त्र एवं जैविक कीटनाशक के उपयोग को प्रोत्साहन करनें के निर्देश दिए है।जिला पंचायत सीईओ गोपाल वर्मा ने बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की विस्तृत समीक्षा की है। साथ ही उन्होंने निजी कृषि दुकानों में बिक्री हो रहे किटनाशक एवं खाद दुकानों के स्टॉक पर सतत निगरानी के निर्देश दिए है। साथ ही नकली दवाई बिक्री पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए है। प्रशिक्षण में जॉनसन जोसेफ द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नरवा,गरवा, घुरवा एवं बाड़ी पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें योजना आधारित प्रस्तावना, गाँव की अवधारणा, प्राकृतिक संसाधन एवं उपयोग, नरवा अवधारणा,गौठान सिद्धांत एवं संरचना,वर्मी कंपोस्ट उत्पादन,ग्रामीण आद्योगिक पार्क आवर्ती चराई सहित अन्य विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया।उक्त बैठक में जिला पंचायत सीईओ गोपाल वर्मा,उपसंचालक कृषि जोसेफ टोप्पो, सहायक संचालक सतराम पैकरा,विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सहित समस्त मैदानी अमला भी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में जानलेवा हुई बारिश: राजनांदगांव-बालोद में युवक बहा

दो युवकों की पानी में डूबने से मौत

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

मानसूनी वर्षा के चलते छत्तीसगढ़ के नदी-नालों में इन दिनों जलस्तर बढ़ गया है। इसके चलते हादसे भी हो रहे हैं। जशपुरनगर में हर्रामोड़ पर ईब नदी पर बने पुल से बाइक गिर जाने से दो लोगों की मौत हो गई। राजनांदगांव जिले के खैरागढ़ ब्लाक के बाघमर्रा-करमतरा के बीच उफनते नाले में बहे युवक का पता नहीं चल पाया है। दुर्ग जिले में शिवनाथ नदी में फंसे तीन लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला गया।जानकारी के अनुसार जशपुर में सन्ना थाना क्षेत्र के ग्राम ननहेसर के पास स्थित ईब नदी के पुल की रेलिंग से टकराकर बाइक गिर गई। इससे दो युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई। उनकी पहचान शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के जामहाटी निवासी प्रेम कुमार नगेसिया (25) और सारू कुमार (25) के रूप में की गई है।दोनों सन्ना थाना क्षेत्र के सकईडीपा में मेहमानी करने आए थे। वापसी के दौरान यह दुर्घटना हुई।तैरकर बाहर आ गया।

सरगुजा में अल्प वर्षा से बढ़ी चिंता

रायपुर। राज्य ब्यूरो। छत्तीसगढ़ के किसानों की आय का सबसे बड़ा माध्यम धान की फसल है। इसकी खेती मुख्य रूप से मैदानी क्षेत्रों में होती है। मैदानी क्षेत्रों में इस बार मानसून की विशेष कृपा बनी हुई है। इससे धान के बंपर उत्पादन की संभावना से किसान प्रसन्न् हैं। लक्ष्य के विरुद्ध अब धान की लगभग 96 प्रतिशत बोआई हो चुकी है। लेकिन राज्य के दोनों वनांचल क्षेत्रों में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बस्तर संभाग के अधिकांश जिलों में अतिवर्षा से किसान चिंतित हैं। खेतों में लगा पानी यदि शीघ्र नहीं निकला तो फसल क्षति हो सकती है। उधर, सरगुजा संभाग के पांचों जिलों पर सूखे का खतरा मंडरा रहा है।प्रदेश में इस खरीफ सीजन में 48 लाख 20 हजार हेक्टेयर में खेती का लक्ष्य81 हजार हेक्टेयर में बुआई हो चुकी ह।

17 अगस्त तक जांजगीर-चाम्पा जिले में आन बान शान से हर घर लहराएगा

एक सत बुलेटिन ■ जांजगीर-चाम्पा

समूह की महिलाओं ने अब तक 35 हजार तिरंगे तैयार किये, बनाने का काम जारी

जिला से लेकर ग्राम पंचायत में स्टाल लगाकर किया जा रहा झंडे का वितरण

समूह की महिलाओं को झंडा निर्माण और राखी बनाने से मिला रोजगार

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर जांजगीर चाम्पा जिले में स्व-सहायता समूह की महिलाएं हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज तैयार करने में 15 दिन से लगातार जुटीं हुए है। अब तक 51 समूह की महिलाओं ने 35 हजार झंडे तैयार करते हुए 32 हजार झंडे का विक्रय करते हुए 3 लाख रुपये आमदनी अर्जित कर चुकी है। साथ ही रक्षाबंधन त्यौहार के लिए समूह की महिलाओं ने राखियों के लिए 70 हजार कमाए है। जिला कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में जिले में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा

खास खबर

आकर्षि कश्यप छत्तीसगढ़ की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी

मुख्यमंत्री से राष्ट्रमंडल गेम्स के टीम चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी कु. आकर्षि कश्यप ने की मुलाकात

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ में बैडमिंटन की सभी वर्ग की नेशनल चैम्पियन रही कु. आकर्षि कश्यप ने सौजन्य मुलाकात की। कु. आकर्षि कश्यप को हाल ही में राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 बर्किंघम में बैडमिंटन के टीम चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ है। गौरतलब है कि कु. आकर्षि कश्यप छत्तीसगढ़ की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जिन्होंने राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कु. कश्यप को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कु. कश्यप ने अपनी खेल प्रतिभा से पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है, जो हम सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कु. आकर्षि को उनकी उपलब्धि के प्रोत्साहन के लिए राज्य शासन की ओर से शासकीय नौकरी प्रदान करने भी आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल को इस अवसर पर कु. आकर्षि कश्यप ने राष्ट्रमंडल गेम्स 2022 में भारत के लिए पदक जीतने वाले सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर युक्त टी-शर्ट उपहारस्वरूप भेंट की।

उल्लेखनीय है कि 21 वर्षीय कु. आकर्षि कश्यप दुर्ग जिले की निवासी है।

मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने प्रदेशवासियों से अपने घर-संस्थान में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने प्रदेशवासियों से 11 से 17 अगस्त के मध्य मनाए जाने वाले स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान अपने घरों, संस्थानों, दुकानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर हमर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा है कि 15 अगस्त 2022 को देश की आजादी के 75 साल पूरे होने जा रहे हैं। इस अवसर पर पूरा भारत देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस गौरवशाली अवसर को यादगार बनाने के लिए और जन मानस में बसी देशभक्ति की भावना को और मजबूत बनाने के लिए 11 अगस्त से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जा रहा है।श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में 'हमर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है। हम सब अपने घरों में, अपने संस्थानों में, अपने कार्यालयों में, अपनी पंचायतों में, अपने गौठानों में भी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएं। तिरंगा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है, इसकी आन-बान-शान के लिए लाखों लोगों ने कुर्बानियां दी हैं, इसलिए तिरंगा शान से फहराएं, पूरे सम्मान के साथ फहराएं। 'हमर तिरंगा' अभियान को सफल बनाएं।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं **संपादक** अमित शर्मा द्वारा जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) - 482001 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स, सिविक सेंटर, जबलपुर (मप्र) - 482001 से मुद्रित I RNI - MPHIN/2019/78787